श्रावण शुक्ल पक्ष सप्तमी, संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 28 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल

31 जुलाई 2025 गुरुवार

आज का मौसम

24 अधिकतम

23 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

ट्रंप टैरिफ से बाजार में भगदड़, 5 लाख करोड़ डूबे, सेंसेक्स-निफ्टी क्रैश

मुंबई/नई दिल्ली एजेंसी।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का भारत पर लगाया गया 25 फीसद टैरिफ बाजार में बम की तरह गिरा है। आज सुबह से शेयर बाजार में भगदड व हडकंप के हालात हैं। इस गिरावट से बाजार को करीब पांच लाख करोड़ का फटका लगा है। ट्रंप ने कल ही रात टैरिफ और अतिरिक्त जुर्माने का ऐलान किया है। वहीं आज सुबह उन्होंने तमाम मर्यादा भूलकर भारत व रूस पर सख्त टिप्पणी कर डाली व दोनों को डेड इकानामी तक कह दिया। इधर आज सुबह निफ्टी 200 अंक से ज्यादा के गैपडाउन के बाद खुला, जबकि सेंसेंक्स 750 अंक से ज्यादा टूट चुका है। बीएसई स्मॉलकैप में शुरुआती कारोबार के दौरान 400 अंक से ज्यादा की गिरावट आई थी। वहीं निफ्टी स्मॉलकैप में 600 अंकों की गिरावट देखने को मिली। ताजा हालात में बीएसई के 3,085 ट्रेडेड स्टॉक में से आज 887 शेयर तेजी पर रहे, जबकि 2,033 शेयर गिरावट पर रहे। 61 शेयरों में अपर सर्किट और 61 शेयरों में लोअर सर्किट रहा।

25 फीसद टैरिफ थोपने के बाद अब बोले ट्रंप-भारत व रूस डेड इकोनोमी

जबकि कल सेंसेक्स 144 अंक चढ़कर 81,482 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 34 अंक की तेजी रही, ये 24,855 के स्तर पर बंद हुआ।

भारत पर 25 फीसदी का टैरिफ और अतिरिक्त जुर्माने के बाद भी डोनाल्ड ट्रंप रुके नहीं हैं बल्कि अब सोशल मीडिया पर तीखी पोस्ट करते हुए भारत व रूस पर सीधा निशाना साधा और भारत को डेड इकानामी तक कह दिया है। उन्होंने लिखा- 'इन दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाएं मृत हैं और ये मिलकर इसे और नीचे ले जा सकते हैं।

ट्रंप ने कहा 'मुझे इस बात की परवाह नहीं है कि भारत रूस के साथ क्या-क्या करता है, लेकिन वे दोनों मिलकर अपनी डेड इकानामी को और नीचे गिरा सकते हैं, मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।

निवेशकों को तगड़ा नुकसान

आज बीएसई मार्केट कैपिटलाइजेशन में एक बड़ी गिरावट देखने को मिल रही है। इसका मतलब है कि निवेशकों की वैल्यूवेशन घट गई है। एक दिन पहले बीएसई मार्केट कैप 452.29 लाख करोड़ रुपये था, जो आज शुरुआती कारोबार में ही करीब 5 लाख करोड़ रुपये तक घटकर 449.56 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया ।इस गिरावट का सीधा असर आईटी,, फार्मा, पीएसयू बैंक, निफ्टी रियल्टी और कंज्यूमर सेक्टर्स पर पड़ा है। सबसे ज्यादा गिरावट ऑयल एंड गैस सेक्टर्स में देखी जा रही है। टाटा मोटर्स, रिलायंस, महिंद्रा और एयरटेल के शेयर्स 1फीसदी से ज्यादा नीचे हैं। जोमैटो, टाटा स्टील मामूली चढ़े हैं।

गलत सलाहकारों की करतूत

राष्ट्रपति ट्रंप के जो भी सलाहकार हैं वे उन्हें भारत के बारे में दो सलाह ग़लत दे गए। पहली तो यह कि ये संघर्ष और चुनौती को अपने अंतिम आदमी तक ले जाने वाला नया भारत है और अब इसे जीतने की आदत सी हो गई है। दूसरे यह कि जो लोग प्रधानमंत्री को थोड़ा सा भी ठीक से जानते हैं उन्हें मालूम है कि उनसे कोई भी काम धमकी देकर कोई नहीं करा सकता। ट्रंप समेत दुनिया के सभी दादाओं से निवेदन कि अपनी तेल-चटाई चाहे पाकिस्तान ले जाएँ या चीन, भारत के विकास व शक्ति की बीन तो यूँ ही बाजेगी।'

-कुमार विश्वास (सोशल मीडिया पोस्ट)

एनआईए कोर्ट ने सुनाया 17 साल पुराने मामले का फैसला

मालेगांव ब्लास्ट केस: प्रज्ञा, पुरोहित समेत सातों आरोपी बरी, नहीं मिले सबूत

मुंबई/भोपाल,दोपहर मेट्रो

महाराष्ट्र के 17 साल पुराने मालेगांव ब्लास्ट मामले में आज एनआईए कोर्ट ने साध्वी प्रज्ञा ठाकुर समेत सातों आरोपियों को बरी कर दिया। जज एके लाहोटी ने कहा कि ये साबित नहीं हुआ कि जिस बाइक में ब्लास्ट हुआ वो साध्वी प्रज्ञा के नाम थी। ये भी साबित नहीं हो सका कि कर्नल प्रसाद पुरोहित ने बम बनाया। इसमें साजिश का कोई एंगल साबित नहीं हुआ। गौरतलब है कि 29 सितंबर 2008 को मालेगांव में ब्लास्ट हुए थे। इस धमाके में 6 लोगों की मौत हुई थी। करीब 101 लोग जख्मी हुए थे। आज इस मामले में फैसले के वक्त आरोपी व पूर्व भाजपा सांसद प्रज्ञा ठाकुर, कर्नल प्रसाद पुरोहित, रमेश उपाध्याय, अजय राहिरकर, सुधाकर चतुर्वेदी, समीर कुलकर्णी और सुधाकर धर द्विवेदी कोर्ट में मौजूद रहे। कोर्ट ने कहा कि अभियोजन पक्ष ने यह साबित कर दिया कि मालेगांव में विस्फोट हुआ था, लेकिन यह साबित नहीं कर पाया कि उस मोटरसाइकिल में बम रखा गया था। अदालत इस नतीजे पर पहुंची कि बम मोटरसाइकिल के बाहर रखा गया था, न कि अंदर। यह भी स्पष्ट नहीं है कि बम वाली मोटरसाइकिल किसने खड़ी की, जबकि इलाका रमजान के चलते पहले से सील किया गया था। इसके अलावा घायलों की संख्या 101 नहीं, बल्कि 95 साल थी और कुछ मेडिकल सर्टिफिकेट में हेराफेरी की गई थी।

तीन जांच एजेंसियां बदली

उल्लेखनीय है कि इस ब्लास्ट के पीछे हिंदू राइट विंग ग्रुप्स से जुड़े लोगों का हाथ होने की बात सामने आई थी। केस की शुरुआती जांच महाराष्ट्र एटीएस ने की फिर 2011 में केस एनआईए को सौंप दिया गया, 2016 में एनआईए ने चार्जशीट दायर की थी। खास बात यह है कि इस मामले में 3 जांच एजेंसियां और 4 जज बदल चुके हैं। 2018 में सात आरोपियों के खिलाफ आरोप तय होने के बाद ट्रायल शुरू हुआ था। कोर्ट ने 323 सरकारी गवाहों और आठ बचाव पक्ष के गवाहों से पूछताछ की। 10,800 से ज़्यादा सबूत और 400 से ज़्यादा चीजें कोर्ट में पेश की गईं। लगभग 40 गवाह अपने बयानों से पलट गए। पहले 8 मई को फैसला आने वाला था, फिर इसे आज 31 जुलाई तक के लिए सुरक्षित रख लिया था।

दोपहर मेट्रो विशेष : राजनेताओं से नजदीकी का फायदा, शहर की चारों दिशाओं में जमीन पर कब्जे

भोपाल में ड्रग्स, लड़कियां और नेता- माफिया के गठजोड़ का न्यू नार्मल

अनिल शर्मा, भोपाल

एक युवती की शिकायत के आधार पर हुए पुलिस एक्शन के बाद शायद ही किसी ने सोचा होगा कि यह भोपाल में ड्रग्स, लड़कियां, ब्लैकमेलिंग और लैंड माफिया के एक नए गठजोड़ की परतें उधेड़ कर रख देगा। पुलिस के हाथ, शहर पिछले कुछ ही सालों में पनपे अपराध के उन चेहरों तक पहुंचे हैं, जो सत्ता के गलियारों में खुले आम दिखाई देते रहे हैं। लेकिन, जानकार मानते हैं कि जो कुछ उजागर हुआ है वह सिर्फ सतही है। सवाल पूछे जा रहे हैं कि आखिर राजनीति के किन सफेदपोश रसूखदारों के संरक्षण में ये फलफूल रहे थे। मीडिया में सार्वजनिक हो रहे पुलिस के खुलासे महज ड्रग की तस्करी और ब्लैकमेलिंग के जोर पर लड़कियों के धर्मान्तरण तक ही सीमित हैं। इसके पीछे, माफिया द्वारा किये जा रहे बेशकीमती जमीन के बड़े खेल को समझते हुए भी उजागर नहीं किया जा रहा है। भारी दबाव के चलते बुधवार को कोकटा क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने के नाम पर कुछ निर्माण गिराए गए। लेकिन माफियाओं द्वारा कब्जाए गए जमीन के साम्राज्य का यह कुछ ही माना जा रहा है।

प्रशासनिक कार्रवाई की लेटलतीफी की क्या वजह हो सकती है।मामला हाईप्रोफाइल लोगों से जो जुड़ा है। पुलिस महकमे के उच्च पदस्थ सूत्र बताते हैं कि खुले आम शहर के विभिन्न इलाकों में नशे का कारोबार करने और लड़कियों को ब्लैकमेल करने वाले गुंडे राजनेताओं से अपनी नजदीकियों का फायदा उठाते रहे हैं। सप्लाई चेन कहाँ तक पहुँचती होगी , इसकी चर्चाएं शहर में आम हैं , लेकिन मुंह खोलना आसान नहीं। अपने आकाओं को हर तरह से खुश करने वाला यह गिरोह इन्हीं की मदद से शहर और आसपास की कीमती जमीन पर लैंड माफिया के रूप में काबिज है। यासीन मछली के गिरफ्त में आने और उसके ठिकानों पर छापे के बाद पुलिस को पता चला कि उसके और परिवार के पास शहर के आसपास सैकड़ों एकड़ जमीन के कब्जे हैं। करीब डेढ़ सौ ज्यादा जमीन तो सिर्फ हताईखेड़ा डैम के पास है। डैम के आसपास के ग्रामीण बताते हैं कि इस पूरे क्षेत्र पर ही मछली और उसका परिवार अपना दावा करता है। लेकिन, खुलासा नहीं तो कार्रवाई कुछ नहीं, और बुलडोज़र के पहिये सालों तक रहे जाम। और हों भी क्यों ना, ये माफिया रसूखदार नेताओं के बगलगीर जो ठहरे। इसकी बानगी यह कि यासीन मछली जब पुलिस के हत्थे चढ़ा, उसके एक हफ्ते पहले ही उसने अपने बुधवारा के घर में दावत रखी थी, जिसमें सरकार के एक कद्दावर मंत्री ने शिरकत की थी। इसके बैकग्राउंड में यासीन के परिवार का बीजेपी से गहरा नाता भी है। इसीलिए, सालों पहले भी पार्टी के बड़े नेता उनके यहाँ आते रहे हैं। शाहवर के पिता शरीफ मछली पार्टी के अल्पसंख्यक मोर्चा के पदाधिकारी रहे हैं। तभी से यह परिवार भोपाल में बीजेपी की जीत के लिए हर तरह के साधन मुहैया कराता आया है। अल्पसंख्यक मोर्चा में ही पुराने जुड़े रहे एक वरिष्ठ कार्यकर्ता कहते हैं - वो जमाना और था, नई पीढ़ी ने सत्ता से नजदीकी का फायदा अपने ढंग लिया। उसमें ड्रग्स और लड़कियां भी शामिल हो गए। आखिर नेताओं की भी तो नई पीढ़ी आ गई। जैसी डिमांड वैसी सप्लाई।

अड़ीबाजी से हासिल जमीन का हिसाब नहीं

कोकटा में हुई कार्रवाई पर प्रशासन का कहना है कि जिन जमीनों पर से अतिक्रमण हटाया गया, उनका अनुमानित मूल्य लगभग सौ करोड़ है। इसी आंकड़े से समझा जा सकता है कि अकेले कोकटा और हथाईखेड़ा क्षेत्र में ही मछली परिवार के कब्जे वाली जमीनों के कुछ फ़ीसदी हिस्से पर ही बुलडोज़र चल पाया है। ये सभी सरकारी खसरे की जमीन बताई गई हैं। सूत्रों का कहना है की इसके अलावा विदिशा और बैरसिया रोड पर भी यह परिवार अपनी जमीनदारी चला रहा है। अभी इनके द्वारा अड़ीबाजी कर हथियाई गई निजी जमीन का हिसाब मिलना तो शुरू भी नहीं हुआ है।

दोनों ही पार्टियों से हैं रिश्ते

इस पूरे कांड के केंद्र में मौजूद चाचा -भतीजे शाहवर और यासीन मछली के बीजेपी और कांग्रेस, दोनों के नेताओं से रिश्ते रहे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर इनकी तस्वीरें प्रदेश के मंत्रियों के साथ तो हैं ही, केंद्र के एक मंत्री के परिजनों के साथ भी मौजूद हैं। कांग्रेस के एक पूर्व मंत्री के साथ भी ये दोनों देखे जा सकते हैं। एक पूर्व कांग्रेस पार्षद का बेटा तो इनके साथ ड्रग्स के धंधे में लिप्त बताया गया है, जिसे पुलिस तलाश रही है। अपना रसूख दिखाने के लिए शाहवर ओर यासीन ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर मंत्री प्रहलाद पटेल, विश्वास सारंग, पूर्व बीजेपी अध्यक्ष वीडी शर्मा साहित पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह और पूर्व मंत्री पीसी शर्मा सहित अन्य नेताओं के साथ फोटो पोस्ट कर रखे हैं, जो पहले ही वायरल हो चुके हैं।

बड़ा सवाल, इस पर कौन सोचेगा ?

माफिया के साथ नेताओं की तस्वीरें कुछ और सवाल भी खड़े करती हैं। सार्वजनिक कार्यक्रमों के फोटो तो फिर भी नेताओं के बस में नहीं, लेकिन बदमाशों के घर पर स्वागत करवाना क्या जाहिर करता है ? बीजेपी को सोचना होगा कि ऐसे असामाजिक तत्व अपने निहित स्वार्थों की खातिर सत्ताधारी पार्टी मंत्रियों और नेताओं के साथ फोटो की आड़ में अपने अवैध कारनामों पर पर्दा डालते हैं। ऐसे में शासन-प्रशासन तथा पुलिस अफसरों के हाथ बांध जाते हैं। कांग्रेस नेताओं पर तो ऐसे आरोप लगते ही रहते हैं लेकिन बीजेपी संगठन ने इन पर मौन क्यों साध रखा है ?

मप्र विधानसभा का मानसून सत्र

कानून व्यवस्था पर विस में सरकार को घेरने की कोशिश में विपक्ष

भोपाल दोपहर मेट्रो

मप्र विधानसभा के मानसून सत्र के चौथे दिन आज विपक्ष कानून व्यवस्था के मामले में सरकार को घेरने की कोशिश में है। इसके लिये ध्यानाकर्षण प्रस्ताव भी सौंपा गया है जिस पर प्रश्नोत्तर काल के बाद चर्चा हो रही है। विपक्ष ने मप्र की विभिन्न घटनाओं को लेकर इसके लिये तैयारी की है और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, फूल सिंह बरैया और जयवर्धन सिंह के ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के जरिए जवाब मांग रहे हैं।विस परिसर में आज सुबह सिंघार समेत कांग्रेस विधायकों ने कानून व्यवस्ता को लेकर नारेबाजी व प्रदर्शन किया। प्रतीकस्वरूप इनके हाथ में इंजेक्शन पुडिया व तख्तियां थीं।

उधर भाजपा विधायक बृजेंद्र प्रताप सिंह की ओर से पन्ना जिले की वन और राजस्व विभाग की सीमाओं का निराकरण नहीं होने के कारण बनने वाली स्थितियों को लेकर ध्यानाकर्षण लगाया गया है। आज सदन में वित्त मंत्री की ओर से पेश जीएसटी संशोधन विधेयक को भी मंजूरी के लिये लाया गया है। सरकार की ओर से पेश किए गए चार विधेयकों को आगामी दिनों में सदन में चर्चा के बाद मंजूरी दी जाएगी।

मोदी से मिले सीएम यादव, 18 माह के कामकाज की 'पुस्तिका' सौंपी

नई दिल्ली, एजेंसी

मप्र के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान यादव ने प्रधानमंत्री को विरासत से विकास की राह और सुशासन के 18 महीने, मोदी का विजन और यादव का मिशन की पुस्तिका भेंट की। पुस्तिका में मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश के चौमुखी विकास की गाथा कही गई है। इसमें प्रदेश की अर्थव्यवस्था,औद्योगिक विकास, गरीबी उन्मूलन, जनजाति कल्याण, नारी शक्ति स्वास्थ्य,शिक्षा, सुशासन , शहरी विकास, अधो संरचना विकास, पर्यटन एवं संस्कृति, को संरक्षण और पर्यावरण का लेखा-जोखा है। मुख्यमंत्री ने हाल ही में संपन्न सफल औद्योगिक निवेश की दुबई और स्पेन यात्रा के बारे में भी प्रधानमंत्री मोदी को विस्तार से बताया।

मप्र में बारिश से राहत, बूंदाबांदी का दौर

भोपाल। मध्यप्रदेश में अति भारी बारिश का कल शाम से थमा नजर आ रहा है। लेकिन कई जिलों में अतिभारी बारिश से हालात अब तक बिगडे हुए है। श्योपुर में पार्वती नदी की बाढ़ में बहे चाचा-भतीजे के शव खेत में एक-दूसरे से लिपटे हुए मिले हैं। रायसेन में बेतवा ने विशाल रूप ले लिया है।

फाइटर जेट गिरा, पायलट कूदकर बचा

नई दिल्ली। अमेरिका के कैलिफोर्निया में नौसेना का F-35 फाइटर जेट क्रैश हो गया। यह जेट नेवल एयर स्टेशन लेमूर में दुर्घटनाग्रस्त हुआ। नौसेना ने इसकी पुष्टि कर दी है। यह हादसा सुबह 4.30 बजे के आसपास हुआ।

जीएमसी में गुर्दा प्रत्यारोपण शुरू, मंत्री शुक्ल ने जीएमसी की टीम की सराहना की

भोपाल दोपहर मेट्रो

राजधानी का गांधी मेडिकल कॉलेज एक मरीज के गुर्दा प्रत्यारोपण के बाद मध्य प्रदेश का पहला ऐसा सरकारी संस्थान बन गया है जहां इस किस्म की जटिल सर्जरी की गई। डीन डॉ. कविता सिंह ने बताया कि यह प्रत्यारोपण आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत निःशुल्क किया गया। अब ऐसे मरीज जो योजना के तहत नहीं आते, उनके लिए भी न्यूनतम शुल्क पर यह सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इस प्रत्यारोपण में ओ ब्लड ग्रुप के मरीज़ को बी ब्लड ग्रुप का गुर्दा सफलतापूर्वक प्रत्यारोपित किया गया। 43 वर्षीय मरीज मनुज कुमार (परिवर्तित नाम) को उनकी 41 वर्षीय पत्नी कमला (परिवर्तित नाम) ने किडनी दान की। मरीज नीमच जिले का निवासी है और छह माह से डायलिसिस पर था।

गांधी मेडिकल कॉलेज की गुर्दा प्रत्यारोपण यूनिट ने पहली बार एबीओ इनकंपैटिबल प्रत्यारोपण की योजना बनाकर यह चुनौतीपूर्ण कार्य सफलता से पूर्ण किया। इस प्रक्रिया में लैप्रोस्कोपिक डोनर नेफ्रेक्टॉमी की गई, जिससे डोनर को शीघ्र डिस्चार्ज किया जा सका। ट्रांसप्लांट टीम में डॉ. हिमांशु शर्मा, डॉ. आर. आर. बर्डे (नेफ्रोलॉजिस्ट), डॉ. सौरभ जैन, डॉ. अमित जैन, डॉ. समीर व्यास, डॉ. नरेंद्र कुर्मी (यूरोलॉजिस्ट एवं सर्जन), डॉ. आर. पी. कौशल, डॉ. बृजेश कौशल, डॉ. श्वेता श्रीवास्तव, डॉ. उर्मिला केसरी, डॉ. असीम (निश्चेतना विशेषज्ञ), तथा जूनियर डॉक्टरों की टीम शामिल रही। इसके साथ ही विभागाध्यक्ष डॉ. सिम्मी दुबे (मेडिसिन), डॉ. सुरेंद्र सिंह पाल (सर्जरी), डॉ. आर. पी. कौशल (निश्चेतना) और डॉ. सौरभ जैन (यूरोलॉजी) ने सतत मार्गदर्शन और सहयोग किया। नर्सिंग एवं पैरा-मेडिकल स्टाफ ने इस जटिल प्रक्रिया को सहज और सुरक्षित रूप से पूर्ण करने में सक्रिय भूमिका का निर्वहन किया।

नवाचार जारी रहेंगे : शुक्ल

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि चिकित्सा क्षेत्र में निरंतर नवाचार और अत्याधुनिक उपचार पद्धतियों को अपनाकर प्रदेश के हर नागरिक को उन्नत गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि गांधी मेडिकल कॉलेज में शासकीय चिकित्सकीय संस्थानों में प्रदेश का पहला एबीओ इनकंपैटिबल किडनी ट्रांसप्लांट संस्थान में होना इस दिशा में एक बड़ा कदम है।

जुकाम, बुखार, संक्रमण की शिकायतें, बच्चे भी चपेट में

बारिश : शहर में गंदगी ने बीमारियों को न्यौता दिया, अस्पतालों में बढ़े मरीज

भोपाल दोपहर मेट्रो

तालाबों के शहर भोपाल में मानसून ने इस बार ऐसा रंग दिखाया है कि हर कोने में ताल तलैये नजर आने लगे हैं। यह सिर्फ प्राकृतिक वजहों से ही नहीं बने, बल्कि राजधानी के रखरखाव के लिये जिम्मेदार एजेंसियों की लापरवाही की वजह से भी बने हैं। जगह जगह भरा हुआ पानी और गंदगी आवागमन के लिये ही नहीं बल्कि स्वास्थ्य के लिये भी खतरा बन रही है। बारिश ने बीमारियों का खतरा भी बढ़ा दिया है और लोग जेपी, हमीदिया और एम्स अस्पताल में सर्दी, खांसी, बुखार, फंगल इंफेक्शन, फूड प्वाइजनिंग और उल्टी-दस्त की शिकायत लेकर पहुंच भी रहे हैं। इनकी संख्या भी बढ रही है। रोजमर्रा की तुलना में अस्पतालों की ओपीडी में मरीजों की भीड़ 20 फीसदी तक बढ़ी है। सरकार अस्पताल के चिकित्सकों का कहना है कि मौसम में बदलाव से वायरल इन्फेक्शन के मामले बढ़े हैं। हर दिन बड़ी संख्या में सर्दी-जुकाम, बुखार और पेट की तकलीफ वाले मरीज आ रहे हैं। जेपी अस्पताल में मरीजों की संख्या को देखते हुए दो अतिरिक्त काउंटर भी शुरू किए गए हैं।

बताया जाता है कि सिर्फ बडे ही नहीं बल्कि बच्चे भी तेजी से बीमार हो रहे हैं। बच्चों में वायरल फीवर के केस ज्यादा हैं। गले में दर्द, सूजन, कमजोरी और सांस लेने में तकलीफ की शिकायतें

बढ़ी हैं। मरीजों में बुखार 7 से 10 दिन तक बना हुआ है। अस्पतालों में त्वचा एलर्जी, उल्टी-दस्त, फूड प्वाइजनिंग, टाइफाइड के केस भी आ रहे हैं। डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया का खतरा भी बना हुआ है। प्रशासन ने सभी अस्पतालों को जरूरी दवाएं उपलब्ध रखने के निर्देश दिए हैं। जेपी अस्पताल सहित अन्य जगहों पर स्टाफ को सतर्क किया गया है ताकि मरीजों को समय पर उपचार मिल सके।

संक्रमण नमी-गंदगी और तापमान में उतार-चढ़ाव से शहर में बारिश के बाद गड्ढों में जमा पानी से मच्छर बढ़ रहे हैं। तापमान में उतार-चढ़ाव से वायरल संक्रमण तेज हुआ है। नमी और गंदगी से फंगल और बैक्टीरियल इंफेक्शन के मामले बढ़ रहे हैं। दूषित पानी और भोजन से पेट की बीमारियां फैल रही हैं। डॉक्टरों ने लोगों को सलाह दी है कि वे रोग के लक्षण दिखते ही अस्पताल में उपचार करवाएं घर पर इलाज न करें तथा साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें। घर के आसपास पानी-गंदगी जमा न होने दें। मच्छरदानी और क्वाइल आदि का उपयोग करें। पानी उबालकर पीने की भी सलाह दी जा रही है।

अल्जाइमर का खतरा: डेंटल हेल्थ पर शोध करेगा एम्स

हाल में हार्वर्ड यूनिवर्सिटी की रिसर्च के सामने आए तथ्यों पर भोपाल एम्स भी अध्यन करने जा रहा है। रिसर्च में कहा गया है कि मसूड़ों की बीमारी और मुंह के बैक्टीरिया अल्जाइमर जैसी गंभीर दिमागी बीमारी की बड़ी वजह बन सकते हैं। माना जाता है कि भारतीयों पर इस तरह की यह पहली वैज्ञानिक रिसर्च होगी, जिसमें सलाइवा सैंपल लेकर बीमारी की गहराई को समझा जाएगा। एम्स भोपाल के बायोकेमेस्ट्री विभाग के एडिशनल प्रोफेसर डॉ. सुकेश मुखर्जी का कहना है कि पैरियोडोंटल बीमारी से जुड़ा पोर्फिरोमोनास जिंजिवालिस नामक बैक्टीरिया खून या नसों के जरिए दिमाग तक पहुंच सकता है। यह ब्लड-ब्रेन बैरियर को नुकसान पहुंचाता है और इम्यून कोशिकाओं को एक्टिव कर दिमाग में सूजन बढ़ा देता है। इससे एमिलॉइड बीटा प्लाक्स और टाऊ प्रोटीन का जमाव होता है, जो अल्जाइमर का कारण बनते हैं। रिसर्च में के मुताबिक जिन लोगों को पेरियोडोंटल बीमारी होती है, उनमें याददाश्त तेजी से कमजोर होती है। मुंह में लगातार सूजन और बैक्टीरिया के टॉक्सिन्स दिमाग में एमिलॉइड जमा करते हैं और नुकसान बढ़ाते हैं। अल्जाइमर की शुरुआत में मरीजों को चीजें याद रखने में दिक्कत होती है। रोजमर्रा के कामों में परेशानी आती है। बताया जाता है कि देश में करीब 46 लाख लोग अल्जाइमर पीडित हैं।

राखी पर महंगा होगा हवाई सफर, प्री बुकिंग महंगी स्पॉट फेयर कम

भोपाल दोपहर मेट्रो

रक्षाबंधन मनाने के लिए बड़ी संख्या में प्रोफेशनल्स एवं छात्र घर लौटते हैं। इसे देखते हुए एयरलाइंस कंपनियों ने कुछ शहरों के किराये में अचानक बढ़ोत्तरी कर दी है। पुणे, बेंगलुरू एवं हैदराबाद से भोपाल आना महंगा हो गया है। यह पहला मौका है जब स्पॉट फेयर कम है और छह से आठ अगस्त तक बुकिंग कराने पर अधिक किराया लिया जा रहा है क्योंकि अधिकांश लोग इन्हीं दिनों की बुकिंग करा रहे हैं। इस बार प्री-बुकिंग कराने पर औसत किराये में भी अधिक किराया लिया जा रहा है।

आमतौर पर स्पॉट फेयर अधिक होने के कारण यात्री प्री-बुकिंग कराते हैं पर रक्षाबंधन नजदीक होने के कारण प्री-बुकिंग किराया बढ़ गया है। सबसे अधिक किराया पुणे, बेंगलुरू एवं हैदराबाद रूट पर है। इस रूट पर दो-दो उड़ानें होने के बावजूद यह स्थिति है। एयरलाइंस कंपनियां साल में दो या तीन बार लो-फेयर स्कीम जारी करती हैं। इसके तहत दो या तीन माह पहले बुकिंग कराने पर आधे से भी कम किराये में बुकिंग होती है लेकिन सीटों की संख्या सीमित होने के कारण भोपाल के यात्रियों को इसका पूरा लाभ नहीं मिल पाता है।

रक्षाबंधन पर विभिन्न शहरों से भोपाल आने के लिए इस समय रोज बुकिंग हो रही है। एयरलाइंस कंपनियां सीटों की बुकिंग डायनामिक फेयर पर करती हैं। जैसे-जैसे सीटों की बुकिंग होती है किराया बढ़ता जाता है। दिल्ली सस्ता, हैदराबाद सबसे महंगा भोपाल से दिल्ली का किराया सबसे कम है। इसका कारण इस रूट पर सर्वाधिक उड़ाने होना हैं। दिल्ली तक इंडिगो की तीन एवं एयर इंडिया की दो उड़ाने हैं। दिल्ली तक चार हजार रूपये तक में सीट मिल जाती है। सबसे अधिक किराया हैदराबाद का है। छह से आठ अगस्त के बीच टिकट बुक कराने पर हैदराबाद का किराया 10 से 17 हजार रूपये तक लिया जा रहा है।

आयोग ने दो मामलों में संज्ञान लेकर संबंधित दिए जांच के निर्देश

ड्रेनेज सिस्टम फेल, घरों में भरा सीवेज का पानी, ननि आयुक्त से जवाब तलब

भोपाल दोपहर मेट्रो

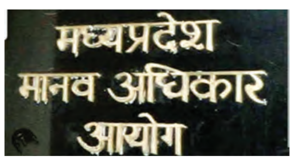

मप्र मानव अधिकार आयोग ने भोपाल शहर में नगर निगम का ड्रेनेज सिस्टम फेल होने के मामले में संज्ञान लिया है। आयोग के संज्ञान में आया है कि बारिश के पहले मेंटेनेंस नहीं होने के कारण अब हालात यह है कि कॉलोनियों में सीवेज का पानी निकासी के लिए जगह नहीं होने के कारण गंदा पानी घरों के टॉयलेट से आ रहा है। रचना नगर और गौतम नगर में सबसे ज्यादा परेशानी देखने को मिल रही है। लोगों का कहना है कि कई बार इसकी शिकायत नगर निगम को की गई, लेकिन सामने से यह जवाब मिलता है कि अभी बारिश रूकने के बाद ही सीवेज का सुधार कार्य किया जाएगा। मामले में आयोग ने नगर निगम आयुक्त को जांच के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन भी मांगा है।

बहू-बेटे ने बंधक बनाकर पीटा, कलेक्टर-आयुक्त को जांच के निर्देश

भोपाल शहर के पिपलानी इलाके से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां बुजुर्ग पिता ने अपने ही बेटे और बहू पर बंधक बनाकर मारपीट करने, 16 लाख रुपए और जेवर हड़पने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा है कि उन्हें घर में बंद करके रखते हैं, किसी से मिलने नहीं देते और मारपीट करते हैं। मामले में आयोग ने कलेक्टर एवं पुलिस आयुक्त को जांच के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही आयोग ने पूछा है कि वरिष्ठ नागरिक संरक्षण अधिनियम के तहत क्या कोई कार्यवाही प्रस्तावित है ? इसका प्रतिवेदन भी मांगा है।

शहर के मुसाफिरों को रास आया रेलवन एप , 10 हजार ने किया डाउनलोड

भोपाल। रेलवे के हाल में लॉन्च 'रेलवन एप' को भोपाल रेल मंडल में अब तक 10 हजार से ज्यादा लोग, जबकि देशभर में 10 लाख से अधिक उपयोगकर्ता डाउनलोड कर चुके हैं। यह एप यात्रियों को टिकटिंग से लेकर शिकायत दर्ज कराने तक की कई सुविधाएं एक ही प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराता है। दरअसल रेल प्रशासन ने यात्रियों को एक ही जगह भारतीय रेल की सभी डिजिटल सेवाओं का समग्र पैकेज देने के लिए यह एप लॉन्च किया है। सरल और स्पष्ट यूजर इंटरफेस के कारण यह उपयोगकर्ताओं को सुविधाजनक अनुभव प्रदान करता है और विभिन्न सेवाओं को आपस में जोड़ता है। इस एप में रेल कनेक्ट या यूटीएस मोबाइल एप की मौजूदा आईडी से सीधे लॉगिन। कई पासवर्ड याद रखने की जरूरत नहीं। इसके अलावा डिजिटल वॉलेट सुविधा, संख्यात्मक एमपिन और बायोमेट्रिक लॉगिन का विकल्प भी है तथा केवल मोबाइल नंबर और ओटीपी से त्वरित गेस्ट लगिन है व रजिस्ट्रेशन की झंझट नहीं। खास बात है कि रेलवन एप से आर-वॉलेट के जरिए अनरिजर्व टिकट बुक करने पर 3% तक की छूट मिलेगी। रिजर्व टिकट की सुविधा पहले की तरह आईआरसीटीसी पर उपलब्ध रहेगी। रेलवन एप को भी आईआरसीटीसी ने अधिकृत किया है। इस एप में रिजर्व और अनरिजर्व टिकटिंग, प्लेटफॉर्म टिकट बुकिंग, ट्रेन व पीएनआर स्टेटस इंक्वायरी, यात्रा की प्लानिंग, रेल मदद सेवाएं के अलावा ट्रेन में खाने की बुकिंग तथा माल परिवहन से जुड़ी पूछताछ भी शामिल है।

भोपाल में सुंदरकांड मंडलों का सम्मेलन

हिंदू राष्ट्र पदयात्रा के लिए देशभर के सनातनियों को आमंत्रण, धर्म-सभा में राष्ट्र सेवा का दिया संदेश

भोपाल दोपहर मेट्रो

राजधानी भोपाल के पटेल नगर में कपीश सेना सनातन संगठन (बागेश्वर धाम शिष्य मंडल, भोपाल) द्वारा सुंदरकांड मंडल का एक दिवसीय सम्मेलन भव्य रूप से संपन्न हुआ। जहां पर सुंदरकांड पाठ किया गया और इसके बाद धर्मसभा का आयोजन किया गया।

इस सम्मेलन के दौरान 7 नवंबर से 16 नवंबर 2025 तक दिल्ली से वृंदावन तक आयोजित हिंदू राष्ट्र पदयात्रा की जानकारी दी गई। पदयात्रा में देशभर के सनातन धर्म प्रेमियों की अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री के संकल्प के अंतर्गत किया गया। जिसमें साधु-संतों के कमंडल से, सुंदरकांड के मंडल से - हिंदू राष्ट्र की ओर बात कही गई। इस उद्देश्य से देशभर में संचार क्रांति लाकर सनातन धर्म की चेतना को जागृत किया जा रहा है।

नए सदस्यों को जोड़ने की प्रक्रिया को समझाया

बागेश्वर धाम सुंदरकांड मंडल के प्रभारी टीम ने सुंदरकांड मंडल प्रकल्प की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही नए सदस्यों को जोड़ने की प्रक्रिया को समझाया। वहीं नए सुंदरकांड मंडल स्थापित करने का सुझाव भी दिया गया, ताकि समाज में सनातन धर्म के प्रति जागरूकता लाई जा सके।

मेट्रो एंकर

सरकार और बिजली कंपनी के खिलाफ नारेबाजी

स्मार्ट मीटरों को लेकर कांग्रेस ने किया विरोध-प्रर्दशन

हिरदाराम नगर दोपहर मेट्रो

स्मार्ट मीटरों के कारण बिजली बिलों में हो रही बेतहाशा वृद्धि को लेकर बुधवार को लालघाटी चौराहे पर प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारियों का नेतृत्व शैलेंद्र रैना ने किया।

प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि पहले ही महंगाई से त्रस्त आम आदमी के लिए स्मार्ट मीटरों ने बिजली बिलों में लगातार बढ़ोतरी करके जीवन को और कठिन बना दिया है। उन्होंने सरकार और बिजली विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

कांग्रेस नेता मोनू सक्सेना ने बिजली विभाग की नीतियों पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि स्मार्ट मीटर के नाम पर खुलेआम जनता को लूटा जा रहा है, बिल दोगुने आ रहे हैं, और अनियमित रीडिंग, फिक्स चार्ज व टैक्स के नाम पर उपभोक्ताओं से मनमाने तरीके से वसूली की जा रही है। मोनू सक्सेना ने सुप्रीम कोर्ट के उस निर्देश का भी हवाला दिया, जिसमें कहा गया है कि स्मार्ट मीटर की कोई बाध्यता नहीं है। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद जबरन मीटर लगाए जा रहे हैं और जनता की सहमति भी नहीं ली जा रही, जो कोर्ट के नियमों का उल्लंघन है और बर्दाश्त से बाहर है।

शैलेंद्र रैना ने कहा कि यह लड़ाई सिर्फ बिजली बिल की नहीं, बल्कि आम जनता के अधिकारों की है। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक सरकार स्मार्ट मीटर वापस नहीं लेती, बिजली दरों में कटौती नहीं करती और अवैध वसूली बंद नहीं होती, उनका आंदोलन जारी रहेगा।

सभा के बाद, प्रदर्शनकारियों ने रैली के रूप में बिजली दफ्तर की ओर कूच किया और दफ्तर के बाहर धरना दिया। इस दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए मौके पर भारी पुलिस बल भी तैनात रहा। प्रदर्शनकारियों ने बिजली विभाग के अधिकारियों को एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें स्मार्ट मीटर को रोकने, बिजली बिलों की जांच कराने, फर्जी रीडिंग पर रोक लगाने और दरों में कटौती की मांग की गई। इस शांतिपूर्ण प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिलाएं, वरिष्ठ नागरिक और युवा वर्ग शामिल हुए, जो बढ़ते बिलों को लेकर खासे नाराज नजर आए।

एसएन श्रीवास्तव का निधन कायस्थम ने श्रद्धांजलि दी

भोपाल। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण भोपाल से सेवानिवृत सत्य नारायण श्रीवास्तव का आज लंबी बीमारी के बाद इलाज के दौरान निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा कल चौबदारपुरा, तलैया से निकली तथा भदभदा विश्राम घाट पर अंतिम संस्कार हुआ। कायस्थम मध्यप्रदेश ने स्व. सत्यनारायण श्रीवास्तव को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की है। कायस्थम के अध्यक्ष प्रलय श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष आर. पी .श्रीवास्तव सहित अन्य सदस्यों ने मुन्ना भैया को अपने कर्तव्यों के प्रति सदैव जागरूक रहने वाला , कर्मठ और जिंददिल इंसान बताया । कायस्थम के अध्यक्ष प्रलय श्रीवास्तव के अनुसार स्व., श्रीवास्तव ने अपने कार्यकाल में भोजपुर मंदिर, भीमबैठका, कमला पार्क का किला, मनावर का शिव मंदिर ,सांची स्तूप स्थल के जीर्णोद्धार में जो महत्वपूर्ण योगदान किया , वह सदैव स्मरणीय रहेगा।

बिजली कंपनियों की है यह बकाया राशि, कहा- नहीं मिले तो अनुदान लोन में बदल जाएगा

सीएमओ ने एसीएस राजौरा के विभाग से मांगे 33 करोड़

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

मुख्यमंत्री कार्यालय अर्थात सीएमओ के एसीएस नीरज मंडलोई ने एसीएस डॉ. राजेश राजौरा के जल संसाधन विभाग से 33.79 करोड़ रुपए मांगे है। यह बिजली कंपनियों की बकाया राशि है, जो 21 जिलों के जल संसाधन विभाग के कार्यालयों पर है। मंडलोई के पास उर्जा विभाग भी है और उन्होंने यह पत्र जून 2025 में लिखा था, तब वह सीएमओ में नहीं आए थे लेकिन एसीएस डॉ. राजौरा सीएमओ में थे। अब पत्र सामने आया है। उधर मंडलोई के पत्र के आधार पर एसीएस डॉ. राजौरा ने अधीनस्थों को निर्देशित किया है कि बिजली कंपनियों का बकाया भुगतान करें। जिसके बाद कई विभागों ने भुगतान करना शुरू कर दिया है।

इन जिलों में जल संसाधन पर बकाया

ऊर्जा विभाग के पत्र के आधार पर जल संसाधन विभाग के एसीएस डॉ. राजेश राजौरा ने अनूपपुर, बालाघाट, छतरपुर, छिंदवाड़ा, दमोह, डिंडौरी, जबलपुर संचार संसाधन, जबलपुर शहर, कटनी, मंडला, नरसिंहपुर, पन्ना, रीवा, सागर, सतना, सिवनी, शहडोल, सीधी, सिंगरौली, टीकमगढ़ व उमरिया को पत्र लिखकर बकाया भुगतान के निर्देश दिए हैं।

उर्जा विभाग हर महीने 15 विभाग को लिखता है पत्र

आम उपभोक्ता ही नहीं, बल्कि सरकारी विभागों पर भी बिजली कंपनियों के कई करोड़ रुपए बकाया है, जिसे पाने के लिए बिजली कंपनियों को ऐड़ी-चोटी का जोर लगाना पड़ रहा है। फर्जा विभाग के एसीएस हर महीने 10 से 15 विभागों के प्रमुखों को पत्र लिखकर कंपनियों का भुगतान कराने की बात कह रहे हैं।

बकाया नहीं मिला तो अनुदान कर्ज में बदल जाएगा

बिजली कंपनियों के अधिकारियों का कहना है कि केंद्र से रिवेम्पड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम के तहत राज्य को 60 फीसद अनुदान मिलता है, यदि वसूली नहीं हुई तो यह अनुदान लोन में बदल जाएगा। यदि विभागों, निकायों व अन्य स्तरों से मिलने वाली बकाया राशि में देरी होती है तो राज्य व बिजली वितरण कंपनियों को नुकसान हो सकता है। बिजली कंपनियों द्वारा कोयला उत्पादक व आपूर्ति कर्ताओं को समय पर भुगतान नहीं करने से जेनकों की इकाईयों में बिजली उत्पादन गड़बड़ा सकता है।

अंबाड़े वन महकमे के नए हॉफ, विभाग ने जारी किए आदेश

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

मध्यप्रदेश वन महकमे को नया हेड ऑफ फॉरेस्ट मिल गया है। सरकार ने विजय कुमार एन अंबाड़े को हॉफ के पद पर पदस्थ करने का आदेश जारी कर दिये हैं। अंबाड़े एक अगस्त से हॉफ की जिम्मेदारी संभालेंगे। अंबाडे भारतीय वन सेवा के 1988 बैच के अधिकारी हैं और अब तक प्रधान मुख्य वन संरक्षक तथा प्रबंध संचालक राज्य वन विकास निगम हैं। नया पद प्रभार संभालने के बाद एमपी वन विकास निगम के एमडी पद पर

नए अधिकारी की पदस्थापना की जाएगी। इसके आदेश कल जारी हो सकते हैं। वर्तमान वन बल प्रमुख असीम श्रीवास्तव 31 जुलाई को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। एमपी के वनकर्मियों का सम्मान -केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस के अवसर पर दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वाले मध्यप्रदेश टाइगर रिजर्व के वनकर्मियों को सम्मानित किया। जिन कर्मचारियों को सम्मानित किया है। उनमें सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के फॉरेस्ट गार्ड राजेश पटेल, कान्हा टाइगर रिजर्व के स्थायी कर्मी सुखमान कुशरे एवं फॉरेस्ट गार्ड बसंत लाल मरावी एवं पेंच टाइगर रिजर्व की फॉरेस्ट वॉचर झुन्नी बाई शामिल हैं।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने जिलाध्यक्षों से कहा- नेता नहीं कार्यकर्ता को जोड़कर चलें

भाजपा में नियुक्तियों के लिए नियुक्त किए जाएंगे पर्यवेक्षक

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने पार्टी के जिला अध्यक्षों के साथ संवाद में अपना विजन और अपेक्षा साफ कर दी हैं। उन्होंने कहा कि आप लोग यह गलतफहमी बिल्कुल छोड़ दें कि आपको किसी नेता ने अध्यक्ष बनवाया है। आपको ओहदा पार्टी ने दिया है इसलिए कार्यकर्ता को साथ लेकर काम करना होगा। दरअसल कल रात पहली बार ऐसा हुआ कि सभी जिलाध्यक्ष की सीएम हाउस में मीटिंग बुलाई गई। बैठक में तालमेल से काम करने और विभागीय योजनाओं की नियमित समीक्षा और संगठन के सुझावों पर बिना देर अमल करने का कहा गया है। इस बैठक के बाद सीएम हाउस में ही जिलों के प्रभारी मंत्रियों की उनके प्रभार के जिले के अध्यक्ष, जिला प्रभारी के साथ बैठक कराई गई। खंडेलवाल ने यह भी कहा कि जिस स्तर पर संगठन में जो नियुक्तियां होंगी, उन नियुक्तियों में समन्वय के लिए पर्यवेक्षक नियुक्त किए जाएंगे। ताकी काम कर रहे निष्ठावान कार्यकर्ताओं को यथायोग्य जिम्मेदारी मिल सके। पार्टी की बैठकों में समय का पालन करें। विधायकों, सांसदों और पदाधिकारियों से समन्वय बनाकर काम करें।

कार्यकर्ताओं की मेहनत से मिली ऐतिहासिक जीत

बैठक में मौजूद मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा है कि विधानसभा चुनाव 2023 लोकसभा चुनाव 2024 में भाजपा को मध्यप्रदेश में जो ऐतिहासिक विजय प्राप्त हुई है। वह आप सभी कार्यकर्ता और पदाधिकारियों की मेहनत और संगठन क्षमता से प्राप्त हो सकी है। भाजपा संगठन को और अधिक मजबूत करने और मध्यप्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए भाजपा सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से जन-जन पहुंचाने में जुटें। भाजपा कार्यकर्ता अपने-अपने जिलों में चलाई जा रही योजनाओं की विभागवार सूची लेकर जनता के बीच जाएं और जिस व्यक्ति को जिस योजना का पात्र पाएं, उसे उसका लाभ दिलाने का प्रयास करें। पार्टी कार्यकर्ताओं को सरकार की योजनाओं को जिलों में और ग्रामीण अंचल तक बेहतर क्रियान्वयन में भी अपनी भूमिका निभानी चाहिए, ताकि सरकार अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचा सके।

नेता पुत्रों के विवादों में लगानी चाहिए रोक

इससे पहले खंडेलवाल ने साफ कहा था कि नेता पुत्रों के विवादों पर रोक लगना चाहिये। उन्होंने जिलाध्यक्षों को संदेश देते हुए कहा- आप अपने परिवार को आगे बढ़ाने के बजाय पार्टी को आगे बढ़ाने पर ध्यान दें। कहीं ऐसा न हो कि पार्टी की बैठक में आपका बेटा भाषण देकर आ जाए। अपने स्थान पर आपके परिवार का कोई भी सदस्य पार्टी की बैठक में न जाए। हर कार्यक्रम में अपने जिले में निवासरत प्रदेश, जिला और अन्य पदाधिकारियों को सम्मान के साथ आमंत्रित करें। आपके किसी पदाधिकारी से प्रतिस्पर्धा, प्रतिद्वंद्व और मतभेद हो सकते हैं लेकिन, अपने निजी ईगो को पार्टी में हावी न होने दें।

परिवहन चेक पाइंट से सरकार को मिला 31 करोड़ का राजस्व

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

परिवहन के चेकपोस्टों बंद करने के बाद नई चेक प्वाइंट की जो व्यवस्था सरकार ने लागू की है, उनसे पिछले एक साल में 31 करोड़ से ज्यादा का राजस्व मिल चुका है। परिवहन विभाग की सूची में 55 चेक प्वाइंट शामिल हैं, लेकिन इनमें 51 ही सक्रिय हैं। इन्हीं 51 प्वाइंट से नई व्यवस्था से पहले चेक पोस्ट के तौर पर राजस्व आता था।

मप्र विधानसभा में यह जानकारी प्रदेश के परिवहन मंत्री राव उदय प्रताप ने कांग्रेस विधायक विक्रांत भूरिया के चेक प्वाइंट व्यवस्था को लेकर पूछे गए सवाल के लिखित जवाब में दी है। उन्होंने यह भी बताया है कि किन चेक प्वाइंटों पर कौन तैनात है। विधानसभा में लगे अतारांकित प्रश्न में यह पूछा गया कि प्रदेश में वित्तीय वर्ष 2023-24 से अंतरराज्यजीय चेक पोस्ट के हटाए जाने के बाद से परिवहन विभाग ने प्रदेश से लगने वाले

अन्य राज्य की सीमा पर जांच के लिए फ्लाइंग स्क्वाड और अन्य कार्य के लिए कौन-कौन से अधिकारी व कर्मचारियों को नियुक्त किया है। दरअसल प्रदेश सरकार ने एक जुलाई से प्रदेश के चेक पोस्टों को बंद कर दिया था, जिसके बाद नई व्यवस्था के तहत परिवहन चेक प्वाइंट शुरू किए गए। जानकारी में सामने आया है कि सबसे ज्यादा राजस्व परिवहन विभाग के सागर जिले के मालथोन चेक प्वाइंट पर मिला है, मालथोन चेक प्वाइंट पर पिछले एक साल में पांच करोड़ 58 लाख रुपये का राजस्व मिला है। इसके बाद सेंधवा दो करोड़ 94 लाख रुपये, इसके बाद पिटोल दो करोड़ 30 लाख व खवासा चेक प्वाइंट पर दो करोड़ 16 लाख से ज्यादा का राजस्व मिला है। परिवहन विभाग के चेक प्वाइंटों पर परिवहन उप निरीक्षक स्तर के अधिकारी को तैनात किया गया है। उप निरीक्षक के नीचे तीन से चार आरक्षक शामिल हैं। कहीं परिवहन निरीक्षक भी शामिल हैं।

आईआईटी की तर्ज पर एमपी आईटी की स्थापना करने पर जोर

भोपाल। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार ने मंत्रालय स्थित प्रतिकक्ष में तकनीकी शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक की। मंत्री परमार ने आईआईटी की तर्ज पर एमपीआईटी की स्थापना के सम्बन्ध में व्यापक चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मंत्री परमार ने अनुदान प्राप्त संस्थानों के समय पर ऑडिट किए जाने के निर्देश भी दिए। बैठक में कोडिंग लैब्स, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, डिजिटल यूनिवर्सिटी एवं राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय को लेकर भी विस्तृत चर्चा की गई। भर्तियां, पदपूर्ति एवं पदोन्नति के सम्बन्ध में भी विमर्श हुआ। परमार ने पॉलीटेक्निक एवं इंजीनियरिंग महाविद्यालयों में एडमिशन की अद्यतन जानकारी भी प्राप्त की।

सुपर-100 परीक्षा प्रदेश के 57 केन्द्रों पर 3 अगस्त को

भोपाल। मध्यप्रदेश राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा सुपर-100 योजना में इस वर्ष परीक्षा का आयोजन 3 अगस्त को किया जा रहा है। परीक्षा जिला स्तर पर बनाये गये विभिन्न परीक्षा केन्द्रों पर होगी। रविवार को प्रथम पारी में प्रातः 10:30 बजे से दोपहर एक बजे तक कक्षा-11वीं में जेईई की तैयारी के लिये एवं द्वितीय पाली में दोपहर 2:30 से शाम 5 बजे तक कक्षा-11वीं में नीट की तैयारी के लिये प्रवेश परीक्षा का आयोजन होगा। परीक्षा के लिये जिला स्तर पर 57 परीक्षा केन्द्र बनाये गये हैं। परीक्षा में शामिल होने वाले विद्यार्थियों की संख्या 10 हजार 727 है। परीक्षा में चयनित विद्यार्थियों को शासकीय सुभाष उत्कृष्ट विद्यालय भोपाल एवं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मल्हार आश्रम इंदौर में प्रवेश दिया जायेगा।

मेट्रो एंकर

वित्त मंत्री ने कहा-कर्ज नियमों के दायरे में

2335 करोड़ के अनुपूरक बजट को मंजूरी

भोपाल, दोहपर मेट्रो

मप्र विधानसभा ने मप्र का 2335 करोड़ का अनुपूरक बजट ध्वनिमत से पास कर दिया। हालांकि इस पर चर्चा के दौरान सत्तापक्ष और विपक्ष में तीखी बहस हुई। कांग्रेस के कर्ज लेकर आरोपों का जवाब देते हुए डिप्टी सीएम और वित्तमंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि सरकार नियमों के दायरे में कर्ज लेती है और समय से चुकाती भी है। हम जनता का पैसा जनता पर ही खर्च करते हैं।

देवड़ा ने कहा कि 2025-26 के बजट में कर्ज लेने की सीमा 1,50,8750 करोड़ रुपए रखी थी। 28 जुलाई की स्थिति में 18,188 करोड़ का कर्ज लिया। लेकिन इसी अवधि में पूंजीगत व्यय 20,018 करोड़ रुपए का किया है। यह इस बात का सबूत है कि हमने राजस्व का पैसा भी पूंजीगत व्यय में लगाया है। यह भविष्य का समावेशी बजट है, इसमें सबके लिए प्रावधान है।

देवड़ा ने कांग्रेस कार्यकाल के आर्थिक आंकड़े गिनाते हुए विपक्ष को जिम्मेदाराना व्यवहार की नसीहत दी। देवड़ा ने कहा जनता हमसे नहीं, आपसे पूछना चाहती है कि लंबे समय तक सत्ता में रहकर क्या किया था? देवड़ा ने कहा कि हमने कर्ज का इस्तेमाल विकास के लिए किया है।

इससे पहले नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि सरकार 4.5 लाख करोड़ कर्ज ले चुकी है। हर महीने लेती ही जा रही है। फिर भी स्वास्थ्य और शिक्षा की हालत नहीं सुधर रही। ना ही युवाओं को रोजगार मिल पा रहे हैं। स्कूल बदहाल हैं। अस्पतालों में डॉक्टरों के पद खाली पड़े हैं। सदन औपचारिकता मात्र बनता जा रहा है। सत्र छोटे होते जा रहे हैं। मुख्यमंत्री के पास विदेश यात्राओं के लिए समय है, लेकिन सदन के सत्रों के लिए न समय है, न ही बजट है। सिंघार ने कहा कि बजट में उच्च शिक्षा को सिर्फ 1त्न, तकनीकी शिक्षा को 0.6त्न और ओबीसी को सिर्फ 0.3त्न हिस्सा दिया है। सिंघार ने वित्त मंत्री देवड़ा को नया कर्ज लेने के बजाय खर्च घटाने और पीपीपी मोड पर योजनाएं चलाने की नसीहत भी दी

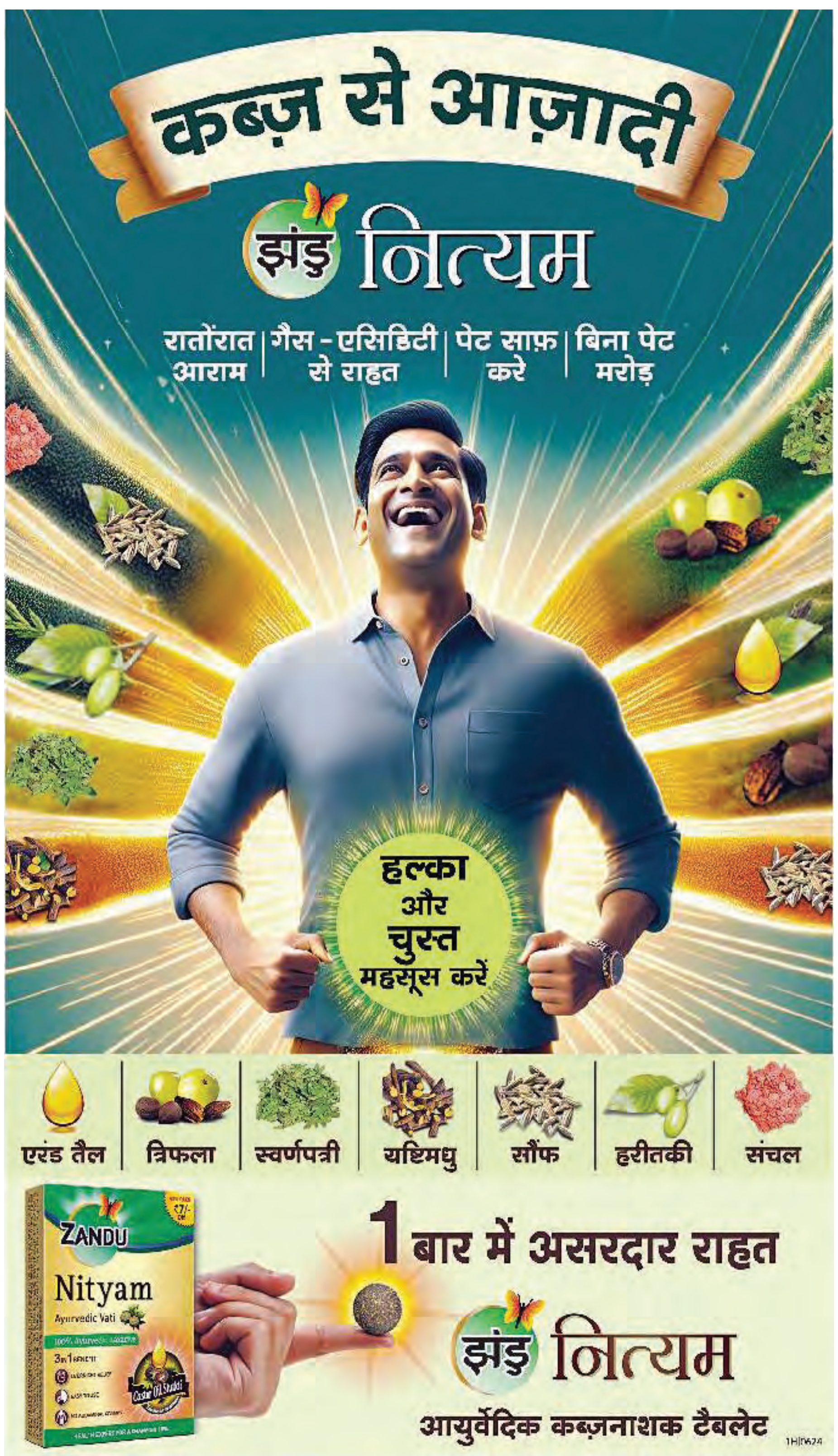

संपादकीय

नागरिकता का सवाल

राजनीतिक नजरिये से महत्वपूर्ण राज्य बिहार में कुछ माह बाद विधानसभा चुनाव होने वाले हैं और निर्वाचन आयोग ने वहां मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण शुरू करने नया विवाद छेड़ दिया है। इसे लेकर राजनीतिक दलों की जैसी प्रतिक्रिया उभरी है, उससे कई तरह के सवाल उठ रहे हैं। भारतीय लोकतंत्र विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक ढांचा है, जिसकी शक्ति निष्पक्ष चुनाव और जन-भागीदारी में निहित है। चुनाव आयोग इस व्यवस्था का आधार है, जो हर नागरिक के स्वतंत्र और स्वेच्छा से मतदान करने के अधिकार की रक्षा करता है। मगर इसकी कार्यप्रणाली पर ही अगर मतदाताओं को संशय होने लगे तो स्पष्टता की मांग स्वाभाविक है। सबसे बड़ा विवाद आयोग की ओर से तय किए गए नागरिकता के प्रमाण पत्रों को लेकर ही है, जिनमें आधार और मतदाता पहचान पत्र मान्य नहीं बताया गया। इससे मतदाताओं में असंतोष पैदा हुआ है, विपक्षी दल भी चुनाव आयोग के इस कदम का विरोध कर रहे हैं। विवाद इतना बढ़ा कि मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा। याचिकाकर्ताओं की ओर से दी गई दलील के आधार पर शीर्ष अदालत को भी कहना पड़ा कि अगर विशेष गहन पुनरीक्षण में बड़े पैमाने पर मतदाताओं के नाम हटाए जाते हैं, तो न्यायालय हस्तक्षेप करेगा। चुनाव आयोग के मुताबिक, इस प्रक्रिया के दौरान राज्य में पंजीकृत पैंसठ लाख लोगों ने गणना प्रपत्र जमा नहीं किए हैं, क्योंकि वे या तो मृत हैं या स्थायी रूप से कहीं और स्थानांतरित हो गए हैं। हालांकि, आयोग कह चुका है कि मतदाता सूचियों में बड़ी संख्या में फर्जी नामों का पंजीकरण है, जिसे दुरुस्त करना जरूरी है और यह प्रकिया देश भर में चलाई जाएगी। मगर सवाल इस समय और बिहार से ही इसकी शुरूआत पर भी है। विपक्षी दलों और सामाजिक संगठनों की दलील है कि चुनाव से ठीक पहले यह कदम अनुचित है। दरअसल, जो लोग किसी कारणवश अपनी नागरिकता का वैध दस्तावेज समय पर नहीं दे पाएंगे, वे मताधिकार से वंचित हो सकते हैं। शीर्ष अदालत ने इस मामले पर पहले सुझाव दिया था कि चुनाव आयोग को इस प्रकिया में नागरिकता प्रमाणपत्र के रूप में आधार, मतदाता पहचान पत्र और राशन कार्ड को भी शामिल करने पर विचार करना चाहिए। अब आयोग की दलील है कि वह पहचान के उद्देश्य से आधार और मतदाता पहचान पत्र का उपयोग कर रहा है, लेकिन ये दोनों नागरिकता का प्रमाण नहीं हैं और इन पर भरोसा नहीं किया जा सकता। ऐसे में यह सवाल उठना भी स्वाभाविक है कि जब किसी बैंक में खाता खुलवाने से लेकर रसोई गैस के लिए पंजीकरण के वास्ते आधार अनिवार्य है, तो वह नागरिकता की प्रमाणिकता के लिए वैध दस्तावेज क्यों नहीं है? मतदाता पहचान पत्र तो चुनाव आयोग की निगरानी में ही बनते हैं, फिर उन्हें भरोसे का दस्तावेज क्यों नहीं माना जा रहा? फिर आयोग की सूची में जिस आवासीय प्रमाणपत्र को जगह दी गई, उसकी हालत यह है कि बिहार के मसौढ़ी से एक कुत्ते के नाम पर निवास प्रमाण पत्र जारी करने की खबर आई। ऐसे में किस प्रमाणपत्र को सबसे विश्वसनीय माना जाएगा? यह सच है कि देश में चुनावी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाए रखने के लिए मतदाता सूची में संशोधन की प्रक्रिया जरूरी है। मगर इस प्रक्रिया की जटिलता से कोई योग्य मतदाता मतदान के अधिकार से वंचित न हो, यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी भी चुनाव आयोग पर ही होगी। इसलिये उम्मीद की जा सकती है कि चुनाव के ऐलान से पहले इस मामले में कुछ हल निकलेगा।

सेना और राष्ट्रीय सुरक्षा पर संसद में चर्चा को लेकर 'लक्ष्मण रेखा' जरूरी

■ विनोद पाठक

सोशल मीडिया पर पाकिस्तान के एक न्यूज चैनल का वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें ऑपरेशन सिंदूर पर लोकसभा में चर्चा के दौरान कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई केंद्र सरकार पर हमलावर हैं। ऐसे और भी वीडियो पाकिस्तान के न्यूज चैनल दिखा रहे हैं। भारत एक लोकतांत्रिक देश है, यहां सरकार से प्रश्न पूछने का विपक्ष और जनता, दोनों को पूरा अधिकार है, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा और सेना से जुड़े मुद्दों पर प्रश्न पूछने को लेकर क्या 'लक्ष्मण रेखा' नहीं खींची जानी चाहिए? क्या संसद में राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे संवेदनशील और गंभीर मुद्दे पर इस प्रकार खुलकर चर्चा सही है? वर्ष 1947 में भारत के स्वतंत्र होने के बाद संभवतः यह पहला ऐसा बड़ा अवसर है, जब विपक्ष सरकार पर 'राजनीतिक हमले' के बहाने इतना खुलकर सेना और राष्ट्रीय सुरक्षा को कटघरे में खड़ा करने का प्रयास कर रहा है।भारत-पाकिस्तान हो या भारत-चीन युद्ध, पूर्व में पक्ष-विपक्ष का एक ही सूर रहा है। वर्ष 1947 में स्वतंत्रता के तत्काल बाद पाकिस्तानी सेना ने कबायलियों के साथ मिलकर जम्मू-कश्मीर पर हमला बोल दिया था। राज्य के एक बड़े भू-भाग (आज का पाक अधिकृत कश्मीर) पर कब्जा कर लिया। उस समय भारत में विपक्ष नहीं था। कांग्रेस के नेतृत्व में सर्वदलीय सरकार बनी थी। तब सरकार से कोई सवाल नहीं हुआ था, लेकिन आज भी तब लिए गए निर्णय पर बहस जारी है।

स्वतंत्रता के डेढ़ दशक बाद वर्ष 1962 में चीन ने भारत पर हमला बोल दिया था, तब भारतीय जनता पार्टी का गठन नहीं हुआ था, लेकिन विपक्षी दल भारतीय जनसंघ ने नेहरू सरकार की आलोचना के बजाय राष्ट्र के साथ खड़े होने का निर्णय लिया था। जनसंघ नेताओं ने संसद में भारत की रक्षा के लिए कड़ी कार्रवाई और सेना को अधिक समर्थन देने की बात कही थी। यही कारण था कि युद्ध के बाद जनसंघ की लोकप्रियता राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे को लेकर बढ़ गई थी। हालांकि, तब कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया का रुख काफी जटिल और विवादास्पद रहा था। पार्टी का एक धड़ा चीन के पक्ष में सहानुभूति रखता था। उस समय सरकार ने कुछ कम्युनिस्ट नेताओं को नजरबंद किया था और जेल में डाल दिया था। मतभेद के चलते कम्युनिस्ट

पार्टी वर्ष 1964 में दो भागों में विभाजित हो गई थी। 1962 भारत-चीन युद्ध के समय समाजवादी दल के नेता डॉ. राममनोहर लोहिया ने तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की नीतियों की आलोचना की थी। उन पर चीन की मंशा को समय रहते नहीं समझने का आरोप लगाया था। समाजवादी दलों ने तब स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा था कि वो सेना और देश के साथ हैं।

डॉ. लोहिया ने कहा था कि यह समय विपक्ष की भूमिका निभाने का नहीं, बल्कि देश की रक्षा में एकजुट होने का है। भारत-पाक के मध्य 1965 या 1971 का युद्ध हो, विपक्ष ने सरकार को पूर्ण समर्थन किया था। तब जनसंघ के सांसद अटल बिहारी वाजपेयी ने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की संसद में जमकर तारीफ की थी। कम्युनिस्ट पार्टी के दोनों धड़ों ने सरकार का समर्थन किया था। यहां तक कि मोरारजी देसाई, जो इंदिरा गांधी के राजनीतिक विरोधी माने जाते थे, ने सरकार के निर्णय का समर्थन किया था। 1965 और 1971 युद्ध के समय विपक्ष ने सरकार या सेना पर कोई सवाल नहीं उठाया था। यहां तक कि 1999 कारगिल युद्ध के समय भी मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस पार्टी ने अटल बिहारी वाजपेयी सरकार का साथ दिया था। देश की रक्षा को सर्वोपरि बताया था। कांग्रेस ने वाजपेयी सरकार से पूरी जानकारी तो मांगी थी, लेकिन किसी तरह की आलोचना या राजनीति नहीं की थी।

कांग्रेस नेताओं का यही कहना था कि हम राजनीतिक मतभेदों को भूलकर एकजुट होकर सेना के साथ खड़े हैं। यही रुख अन्य विपक्षी पार्टियों का भी था। तब संसद के दोनों सदनों में कारगिल युद्ध को लेकर सर्वदलीय समर्थन देखने को मिला था। लेकिन, वर्ष 2014 के बाद विपक्ष के रुख में राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर बदलाव आया है। उरी में आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना की पाकिस्तान में सर्जिकल स्ट्राइक पर कई विपक्षी नेताओं ने सबूत मांगे थे। वर्ष 2019 में पुलवामा हमले के बाद भारतीय वायुसेना की बालाकोट पर एयर स्ट्राइक के न केवल विपक्ष दलों ने सबूत मांगे, बल्कि इसे राजनीतिक रंग दिया गया।

इस साल पहलगाम में आतंकी हमले के बाद जब भारतीय सेनाओं ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के भीतर 9 आतंकी ठिकानों को नस्तेनाबूद किया, जिसके वीडियो स्वयं पाकिस्तान के लोगों ने सोशल मीडिया पर डाले। वहां की सरकार ने हमले और नुकसान की बात कबूली। 6-7 मई से 10 मई तक भारत-पाक के बीच 87 घंटे के संघर्ष में पाकिस्तान के 13 एयरबेस समेत दूसरे स्थानों पर नुकसान को न केवल भारतीय सेना, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मीडिया ने सबूतों के साथ दिखाया। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद स्थित नूर खान एयरबेस तो ऑपरेशन सिंदूर के बाद अब तक ऑपरेशनल नहीं हो पाया है। पाकिस्तान के 13 एयरबेस पर भारतीय मिसाइल गिरने के सबूत दुनिया के सामने हैं, लेकिन विडंबना यह है कि भारत का विपक्ष ऑपरेशन सिंदूर पर सेना की सफलता के बजाय बार-बार इस बात पर जोर दे रहा है कि हमारे कितने फाइटर जेट गिरे? जबकि, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस), डॉयरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशन्स (डीजीएमओ) और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस विषय पर स्थिति स्पष्ट की है। इसके बावजूद विपक्ष का इस बात को लगातार उठाकर पाकिस्तान को मुद्दा देना क्या आवश्यक है? अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बड़बोलेपन से दुनिया परिचित हो चुकी है।

ट्रंप क्या बोलते हैं और कब पलट जाते हैं, इसका किसी को अनुमान नहीं है, लेकिन विपक्ष को सीजफायर पर ट्रंप की बात पर भारत की सरकार से अधिक भरोसा है, जबकि संसद में विदेश मंत्री एस. जयशंकर स्पष्ट कर चुके हैं कि ऑपरेशन सिंदूर पर ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बात नहीं हुई। अमेरिका के कहने पर सीजफायर नहीं हुआ है। डीजीएमओ भी पाकिस्तान की ओर से सीजफायर के आग्रह को बता चुके हैं। साफ है कि विपक्ष ऑपरेशन सिंदूर पर भ्रम पैदा कर राजनीति कर रहा है। संसद में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान स्पष्ट रूप से दिखा कि विपक्षी सांसद पाकिस्तान की लाइन को आगे बढ़ा रहे हैं। कांग्रेस की सांसद प्रणिति शिंदे ने तो ऑपरेशन सिंदूर को लेकर कुछ ऐसे शब्दों का इस्तेमाल कर दिया, जिन्हें संसद के रिकॉर्ड से हटाया गया। विपक्ष पहलगाम में सुरक्षा में चूक को लेकर सरकार से प्रश्न पूछे, यह बिल्कुल उचित है, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा और सेना पर इतनी खुलकर चर्चा की आवश्यकता क्या है? जबकि सरकार पहले ही ऑपरेशन सिंदूर को लेकर विपक्षी सांसदों को ब्रीफिंग दे चुकी है।

विदेश भेजे गए प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व विपक्षी सांसद कर चुके हैं। फिर हमारे कितने फाइटर जेट गिरे? कितना नुकसान हुआ? यह क्यों पूछा जाना चाहिए? उल्टा विपक्ष को सरकार से यह पूछना चाहिए कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को कितना नुकसान हुआ? पाकिस्तान के कितने फाइटर जेट व अन्य विमान गिरे? उसके कितने एयरबेस को नुकसान हुआ? कितने आतंकी मारे गए? राष्ट्रीय सुरक्षा और सेना पर सवाल उठाकर विपक्ष स्वयं की विश्वसनीयता को कटघरे में खड़ा कर रहा है। सुरक्षा में खामियों को लेकर संसद में चर्चा करें, लेकिन सेना और राष्ट्रीय सुरक्षा को इस तरह घसीटना राष्ट्रीय हित में नहीं है। यह बात पक्ष और विपक्ष, दोनों को स्पष्ट रूप से सोचनी चाहिए।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

आज का इतिहास

- 1658 - औरंगजेब ने स्वयं को मुगल सम्राट घोषित किया।
- 1865 - ऑस्ट्रेलिया में दक्षिण पूर्व क्लीव्सलैंड ग्रैडचेस्टर शहर में विश्व की पहली छोटी रेल लाइन शुरू।
- 1910 - इंग्लैंड के क्लाउड ग्राहमे व्हाइट ने पहली बार विमान को रात में उड़ाया।
- 1924 - मद्रास प्रेसिडेंसी क्लब ने रेडियो प्रसारण शुरू किया।
- 1933 - राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने साबरमती आश्रम छोड़ा।
- 1940 - क्रांतिकारी ऊधम सिंह को फांसी दी गई।
- 1948 - कलकत्ता (कोलकाता) में पहली राज्य परिवहन सेवा की स्थापना।
- 1950 - भारत और नेपाल ने शांति और मैत्री संधि पर हस्ताक्षर किए थे।
- 1982 - सोवियत संघ ने परमाणु परीक्षण किया।
- 1992 - नेपाल की राजधानी काठमांडू में थाईलैंड का विमान दुर्घटनाग्रस्त, 113 लोगों की मौत।
- 1992 - जॉर्जिया संयुक्त राष्ट्र में शामिल हुआ।
- 1992 - सितार वादक पंडित रविशंकर को मैग्सेसे पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- 1993 - भारत के पहले तैरते हुए समुद्री संग्रहालय का कलकत्ता (अब कोलकाता) में उद्घाटन।
- 1998 - सार्क के 10वें शिखर सम्मेलन का श्रीलंका की राजधानी कोलंबो में समापन।
- 2000 - लोकसभा में छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण विधेयक पास।
- 2003 - इजराइल और फिलिस्तीन के सुरक्षा मंत्रियों की बैठक यरूशलम में समाप्त।
- 2004 - आर्थिक सहयोग मंच बिम्सटेक का नाम बदल कर 'बंगतक्षेस' किया गया।
- 2005 - उज्बेकिस्तान ने अमेरिका को अपने सैनिक अड्डे हटा लेने का आदेश दिया।
- 2006 - श्रीलंका में युद्ध विराम समझौता समाप्त। लिट्टे के साथ संघर्ष में 50 लोग मारे गए।
- 2006 - फिदेल कास्त्रो ने अपने भाई राउल कास्त्रो को सत्ता सौंपी।
- 2007 - भारतीय मूल के अमेरिकी डॉ.सुधीर पारिख को पाल हैरिस अवार्ड प्रदान किया गया।
- 2008 - थाईलैंड की अदालत ने पूर्व प्रधानमंत्री थॉक्सिन शिनावात्रा की पत्नी को कर चोरी के मामले में तीन वर्ष की सजा सुनाई।
- 2010 - पाकिस्तान में बाढ़ से 900 लोगों की मौत।
- 2010 - बिलियर्ड प्रशिक्षक सुभाष अग्रवाल को द्रोणाचार्य पुरस्कार के लिए चुना गया।
- 2010 - जयपुर के 18वीं सदी के 'जंतर मंतर' को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया था।
- 2012 - अमेरिकी तैराक माइकल फेल्प्स ने लंदन ओलंपिक में 6 मेडल जीते।

नए अवसरों के सृजन को गंभीर पहल जरूरी

■ जयंतीलाल भंडारी

देश के राज्यों और केंद्र स्तर पर निकलने वाली सरकार की विभिन्न भर्तियों के लिए आवेदन करने वाले युवाओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। हाल ही में कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) की फेज-13 सेलेक्शन पोस्ट 2025 के अंतर्गत 2423 पदों की भर्ती के लिए पूरे देश से 29 लाख से अधिक आवेदन आए हैं। पिछले वर्षों में संघ लोक सेवा आयोग, रेलवे भर्ती और कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) ने जो भर्तियां की हैं, वे रिक्त पदों की तुलना में बहुत कम हैं। राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय (एनएसओ) के द्वारा जारी नवीन श्रम बल सर्वे (पीएलएफएस) के आंकड़ों के मुताबिक 15-29 आयु वर्ग के युवाओं में बेरोजगारी दर जून 2025 में तेजी से बढ़कर 15.3 रही। यह शहरों में बढ़कर 18.8 प्रतिशत रही जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में 13.8 प्रतिशत रही है।फ्रांस के कॉरपोरेट एंड इन्वेस्टमेंट बैंक नेटिक्सि एसए के द्वारा प्रकाशित अध्ययन रिपोर्ट के मुताबिक भारत में जिस तेजी से युवा रोजगार के लिए तैयार होकर श्रम शक्ति (वर्क फोर्स) में शामिल हो रहे हैं, उसको देखते हुए भारत को 2030 तक प्रति वर्ष 1.65 करोड़ नई नौकरियों की जरूरत होगी। इसमें से करीब 1.04 करोड़ नौकरियां संगठित सेक्टर में पैदा करनी होंगी। जबकि पिछले दशक में सालाना कुल 1.24 करोड़ नौकरियां ही पैदा हो सकी थीं। इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत को अपनी अर्थव्यवस्था में तेजी को बरकरार रखने के लिए सर्विसेज से लेकर मैन्युफैक्चरिंग तक सभी सेक्टर्स को नई रफ्तार से बढ़ावा देना होगा।

ऐसे में इस समय देशभर में मिशन मोड में नई सरकारी नियुक्तियां करने और नए रोजगार मौके सृजित किए जाने की अहम जरूरत है। हाल ही में रेटिंग एजेंसी क्रिसिल की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के द्वारा कौशल विकास में भारी निवेश की ज़रूरत है, जिससे देश के जनसांख्यिकीय लाभ को हासिल करने में मदद

मिलेगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि कौशल विकास के लिए निवेश का बोझ सार्वजनिक और निजी, दोनों क्षेत्रों को मिलकर उठाना होगा। भारत के पास अभूतपूर्व अवसर हैं, क्योंकि खाड़ी सहयोग परिषद, यूरोप और ऑस्ट्रेलिया जैसी विकसित अर्थव्यवस्थाएं, विशेष रूप से स्वास्थ्य सेवा, सूचना और संचार प्रौद्योगिकी, नवीकरणीय ऊर्जा, लॉजिस्टिक्स और निर्माण जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में कौशल की भारी कमी का सामना कर रही है। रिपोर्ट के मुताबिक वैश्विक मंच पर भारत की कार्यबल क्षमता को उजागर करने के लिए कौशल विकास पर कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) खर्च में पर्याप्त सुधार की आवश्यकता है।

इस रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना में सुधार की पर्याप्त गुंजाइश है। वित्त वर्ष 2015 से अब तक कॉर्पोरेट्स द्वारा सीएसआर पर खर्च किए गए 2.22 लाख करोड़ रुपये में से केवल 3.5 प्रतिशत ही कौशल विकास के लिए खर्च किया गया है। ऐसे में सीएसआर निवेश को अलग-थलग कौशल गतिविधियों से आगे बढ़ना होगा। जब सरकारी पहलों के साथ रणनीतिक रूप से एकीकृत किया जाता है, तो सीएसआर में एक सक्षमकर्ता के रूप में कार्य करने की अपार क्षमता होती है।सरकार को देश की नई पीढ़ी को जॉब सीकर यानी नौकरी की चाह रखने वाले से ज्यादा नए दौर के जॉब गिवर यानी नौकरी देने वाले बनाने की तेज रणनीति के साथ भी आगे बढ़ना होगा। देश में स्वरोजगार की रफ्तार बढ़ाई जानी होगी। इस परिप्रेक्ष्य में शोध संस्थान स्कॉच की शोध अध्ययन रिपोर्ट में 2014-24 की अवधि में ऋण-आधारित हस्तक्षेपों और सरकार-आधारित हस्तक्षेपों का अध्ययन किया है। जहां ऋण-आधारित हस्तक्षेपों ने प्रति वर्ष औसतन 3.16 करोड़ रोजगार जोड़े हैं, वहीं सरकार-आधारित हस्तक्षेपों से प्रति वर्ष 1.98 करोड़ रोजगार पैदा हुए हैं। सामान्यतया एक लोन पर औसतन 6.6 प्रत्यक्ष रोजगार पैदा हुए हैं। इस शोध अध्ययन में रोजगार व स्वरोजगार से संबंधित 12 केंद्रीय योजनाओं को शामिल किया गया है। इनमें मनरेगा, पीएमजीएसवाई, पीएमईजीपी, पीएमए-जी, पीएलआई, पीएमएवाई-यू, और पीएम स्वनिधि जैसी प्रमुख योजनाएं शामिल हैं। इस शोध अध्ययन के मुताबिक पिछले दस वर्षों में ऋण अंतराल यानी जीडीपी के अनुपात में कर्ज के अंतर में 12.1 प्रतिशत की गिरावट आई है। इस अध्ययन से ऋण अंतराल में कटौती, बहुआयामी गरीबी में कमी और एनएसडीपी में वृद्धि के बीच एक सकारात्मक संबंध भी प्रतिपादित हुआ है।नए डिजिटल दौर में देश की नई हाई-स्किल्ड पीढ़ी के लिए देश ही नहीं, दुनियाभर में नए दौर की नौकरियों में अवसर बढ़ रहे हैं, ऐसे में देश के करोड़ों युवाओं को नए दौर की इन नौकरियों के लिए शिक्षित-प्रशिक्षित करने के लिए प्राथमिकता के साथ नई रणनीति बनानी होगी। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) ने अपनी नवीनतम रिपोर्ट 'भविष्य की नौकरियों' में कहा कि वैश्विक स्तर पर वर्ष 2030 तक 17 करोड़ नई हाई-स्किल्ड नौकरियां पैदा होंगी, जबकि 9.2 करोड़ परम्परागत नौकरियां समाप्त होने का अनुमान है।

चूंकि कई विकसित और विकासशील देशों में तेजी से बूढ़ी होती आबादी के कारण उद्योग-कारोबार व सर्विस सेक्टर के विभिन्न कामों के लिए युवा हाथों की कमी हो गई तथा श्रम लागत बढ़ने से ये देश कार्यबल संबंधी परेशानियों से जूझ रहे हैं। ऐसे में भारत को इस मौके को भुनाते हुए तेजी से आगे बढ़ना होगा। सरकार ने अब तक भारतीय श्रमिक उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न करीब दो दर्जन देशों के साथ आव्रजन और रोजगार से जुड़े समझौते किए हैं। इन समझौतों के तहत भारत जापान, इस्राइल, ऑस्ट्रेलिया, सऊदी अरब, फ्रांस, जर्मनी, रूस, मॉरिशस, यूके, यूएई, रोमानिया और इटली जैसे देशों में अपने स्किल्ड युवाओं को भेज रहा है। हाल ही में रूसी उद्योग मंडल यूराल चैंबर आफ कामर्स एंड इंडस्ट्री के प्रमुख आंद्रेई बेसेदिन ने कहा कि रूस अपने औद्योगिक क्षेत्रों में श्रमिकों की कमी को दूर करने के लिए भारत से इस साल के अंत तक करीब 10 लाख कुशल श्रमिकों को अपने यहां रोजगार देगा।

(साभार : लेखक अर्थशास्त्री हैं, यह उनके निजी विचार हैं)

सत्य बात कठोर होती है।
- कुशवाहा कान्त

निशाना

बेलगाम अपराध

अपने ही गठबंधन की ।
है यहां सरकार ।।
लेकिन अब कानून यहां ।
खो रहा आधार ।।
बोला बड़ा हमला ।
हुआ ना सुधार ।।
बेलगाम अपराध ।
है धूमिल प्रचार ।।
हो गए अपराधीयों के ।
हौसले बुलंद ।
कान और आंख लेकिन ।
है लगता पर बंद ।।
तीखा हुआ प्रहार ।
है उत्तर का इंतजार ।।
सहयोगी को इतना तो ।
हो सकता अधिकार ।।

- कृष्णेन्द्र राय

पानी और पीड़ा के सैलाब के बीच इंसानियत और मदद की मिसाल भी

राहत सामग्री वितरण में प्रशासन के साथ आए सामाजिक संगठन, लोगों ने कहा - यही है मानवता की सच्ची तस्वीर

गुना। दोपहर मेट्रो

विपदा की घड़ी में जब चारों ओर पानी और पीड़ा का सैलाब था, तब गुना जिले में इंसानियत और मदद की मिसालें भी उफान पर थीं। विगत दिनों भारी वर्षा से प्रभावित निचले क्षेत्रों में राहत पहुंचाने के लिए प्रशासन के साथ ही समाज के विभिन्न वर्गों ने भी मदद का हाथ आगे बढ़ाया है। सामाजिक संगठनों और संवेदनशील नागरिकों ने भोजन सामग्री, पानी की बोतलें और ज़रूरी सामान प्रशासन को सौंपा है।

जनसहयोग से जुटाई गई इन वस्तुओं का निरीक्षण करते हुए कलेक्टर किशोर कन्याल ने कहा कि आपदा के समय समाज की यह संवेदनशीलता और सेवा-भावना ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। ऐसे समय में जो साथ खड़े होते हैं, वही असली नायक होते हैं। इस अवसर पर कलेक्टर को एक सामाजिक संगठन द्वारा 15 हजार रुपये की सहायता राशि का चेक भी भेंट किया गया।

विभिन्न सामाजिक संगठनों से लगभग पांच हजार से अधिक खाद्य सामग्री के पैकेट बांटे

विभिन्न सामाजिक संगठनों से लगभग पांच हजार से अधिक खाद्य सामग्री के पैकेट प्राप्त हुए, जिन्हें विभिन्न बारिश प्रभावित क्षेत्रों में जरूरतमंदों को वितरित किया जा रहा है। इन पैकेट्स में सूखा राशन, तैयार भोजन, पानी की बोतलें और आवश्यक दवाइयां शामिल हैं। राहत वितरण के दौरान अपर कलेक्टर अखिलेश जैन, सीईओ जिला पंचायत अभिषेक दुबे, एसडीएम शिवानी पाण्डे, तहसीलदार जीएस बैरवा तथा अन्य प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद रहे। उधर, कलेक्टर एवं ने संयुक्त रूप से प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बूढ़े बालाजी क्षेत्र एवं न्यू सिटी कॉलोनी पहुंचकर वर्षा से प्रभावित नागरिकों से मुलाकात की और उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने मौके पर ही जरूरतमंद परिवारों को खाद्य सामग्री वितरित की। प्रशासन की ओर से भरोसा दिलाया गया है कि बारिश से हुए नुकसान का शीघ्रता से सर्वे कराया जाएगा और वास्तविक नुकसान की भरपाई के लिए उचित कार्यवाही की जाएगी। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि राहत कार्यों में कोई कमी न रहे। उन्होंने राजस्व, स्वास्थ्य एवं नगरपालिका विभाग की टीम को पेयजल, भोजन, ठहरने की व्यवस्था, चिकित्सकीय सुविधा एवं अन्य आवश्यक सेवाएं तत्काल प्रभाव से उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे संयम रखें, किसी भी प्रकार की आपात स्थिति में प्रशासन को तत्काल सूचित करें।

नुकसान का तत्काल आकलन कर लोगों को राहत पहुंचाने के निर्देश

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

कलेक्टर सोनिया मीना ने बुधवार को जिले में संभावित बाढ़ आपदा की स्थिति की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने सभी अनुविभागीय अधिकारियों (एसडीएम) को निर्देशित किया कि वे अपने क्षेत्रों में नर्मदा तटीय ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में संभावित बाढ़ जलभराव की स्थिति का तत्काल आंकलन करें। कलेक्टर ने समस्त सीईओ, सीएमओ को निर्देशित किया कि वे अपने अधीनस्थ शासकीय अमले के साथ प्रभावित क्षेत्रों का सतत निरीक्षण करें। साथ ही, राहत शिविरों पर भोजन, पेयजल, स्वास्थ्य सुविधा सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी कहा कि राहत केंद्रों पर महिला कर्मचारियों की भी ड्यूटी लगाई जाए और अस्थाई राहत शिविरों में स्वच्छता का भी विशेष ध्यान रखा जाए। इसके अतिरिक्त, राहत शिविरों पर अनधिकृत व्यक्तियों के प्रवेश को भी रोका जाए। बैठक में कलेक्टर ने यह निर्देश भी दिए कि जेसीबी, पोकलेन जैसी मशीनें एवं अन्य संसाधनों की तत्काल उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि जल निकासी में कोई बाधा उत्पन्न न हो। साथ ही कलेक्टर ने सभी विकासखंड स्तरों पर आपदा राहत एवं बचाव दल को तैयार रखने के निर्देश दिए। आपदा के कारण मानव, फसल अथवा अन्य क्षति की स्थिति में त्वरित सर्वे किया जाए तथा शासन के निर्देशानुसार संबंधितों को राहत राशि का शीघ्र वितरण सुनिश्चित किया जाए। बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक डॉ. गुरकरण सिंह, जिला पंचायत सीईओ सौजन सिंह रावत, सिटी मजिस्ट्रेट बृजेंद्र रावत सहित समस्त एसडीएम, सीईओ, सीएमओ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से तथा अन्य अधिकारी सभाकक्ष में उपस्थित रहे।

अब सड़कों से हटेंगे बेसहारा मवेशी

कलेक्टर का फरमान, गायों को बेसहारा छोड़ा तो लगेगा जुर्माना

गुना। दोपहर मेट्रो

शहर में अब गाय पालने वालों को बारिश के मौसम में गायों को बेसहारा छोड़ना महंगा पड़ेगा। इसको लेकर गुना कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने सख्ती बरतने के आदेश दिए हैं। जिसमें कहा गया है कि गायों को बारिश के मौसम में घर से बाहर शहर की सड़क पर छोड़ा गया, तो जुर्माना भरना होगा। बता दें कि शहर की सड़कों पर आवारा घूम रहे गौवंश की रोकथाम और दुर्घटना से बचाव के लिए जिला प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। जिला कलेक्ट्रेट में आयोजित गौवंश के विषय में हुई बैठक में कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने निर्देश जारी करते हुए कहा कि अब यदि कोई गोपालक अपनी गायों को खुले में छोड़ता है, तो उस पर 500 रुपए का जुर्माना लगाया जाएगा। इस बैठक में अपर कलेक्टर अखिलेश जैन, सीईओ जिला पंचायत अभिषेक दुबे सहित नगर पालिका और गौशाला से जुड़े अधिकारी एवं गौपालक उपस्थित रहे। कलेक्टर कन्याल ने कहा सड़कों पर बेसहारा गौवंश की उपस्थिति से न केवल यातायात बाधित होता है, बल्कि दुर्घटनाओं की आशंका भी बनी रहती है। ऐसे में सभी मवेशियों को चिन्हित कर सुरक्षित रूप से गोशालाओं में भेजने की व्यवस्था की जाएगी। बैठक में पशुपालकों को यह भी जानकारी दी गई कि पशु चिकित्सा एंबुलेंस सेवा के तहत किसी भी बीमार गौवंश के इलाज के लिए टोल फ्री नंबर 1962 पर कॉल की जा सकती है, जिससे डॉक्टर घर पहुंचकर उपचार देंगे। कलेक्टर ने नगर पालिका को निर्देश दिए कि गोशालाओं में चारे और साफ-सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

हादसों से बचाव के लिए अपनाया कड़ा रुख

लड़की की आवाज में बातें कर रुपए ऐंठने का पर्दाफाश

लड़की के नाम से फर्जी फेसबुक आईडी बनाकर दोस्ती फिर ब्लैकमेल करने वाले युवक को दबोचा

गुना। दोपहर मेट्रो

एसपी अंकित सोनी के निर्देश पर गुना पुलिस जिले में अपराधियों पर सख्त कार्यवाहियां कर रही है। इसी क्रम में आरोन थाना प्रभारी बृजमोहन सिंह भदौरिया और उनकी टीम ने एक ऐसे मामले का खुलासा किया है, जिसमें फर्जी फेसबुक आईडी बना कर लड़की के नाम से युवक को ब्लैकमेल किया जा रहा था, और उससे पैसे ऐंठे जा रहे थे। पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है।

बता दें कि आरोन के दो लोगों के साथ फेसबुक पर लड़की के नाम से दोस्ती कर उन्हें अपने जाल में फंसाकर उनसे रूपयों की डिमांड किये जाने के मामले का पुलिस ने पर्दाफाश किया है। वहीं आरोपी को गिरफ्तार कर लिया हैं। उल्लेखनीय है कि आरोन के एक युवक ने 12 जुलाई को आरोन थाने पर रिपोर्ट करते हुए बताया था कि गत माह उसकी फेसबुक आईडी पर कोई रीना सोनी के नाम से फ्रेंड रिक्वेस्ट आई थी, जिसे उसने स्वीकार कर लिया और दोनों के बीच मैसेन्जर पर चैटिंग होने लगी और फिर एक दूसरे ने अपने व्हाटसएप नंबर भी शेयर कर लिये। उससे बात करने वाले की आवाज लड़की की थी, जिससे वह उसे लड़की मान रहा था। एक दिन उसने उसे बातों में फंसाकर उसकी अश्लील वीडियो ले ली और फिर उससे पैसों की डिमांड की, पैसे नहीं दिये तो उसकी अश्लील वीडियो आरोन के उसके कुछ दोस्तों को भेजकर अपमानित किया। इसी प्रकार उसी के एक रिश्तेदार को भी उस अज्ञात व्यक्ति द्वारा फेसबुक पर फंसाकर उनकी भी अश्लील वीडियो ले ली और बदनाम करने का डर दिखाकर 50 हजार रूपये की मांग की। बदनामी के डर से उनके द्वारा 10 हजार रूपये उसे ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद भी वह पैसों की लगातार डिमांड कर रहा है। जिस पर से आरोन थाने में अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया था। एसपी अंकित सोनी के संज्ञान में आने पर कार्रवाई के निर्देश दिए। पुलिस ने आरोपी दीपक उर्फ देवानंद प्रजापति उम्र 24 साल निवासी पठार मौहल्ला आरोन हाल पालदा नाका इंदौर को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से 5 हजार रूपये नगद और मोबाइल जब्त किया है।

उज्जैन की तर्ज पर निकली बाबा विश्वनाथ की शाही सवारी

सिवनी मालवा। दोपहर मेट्रो

शहर के गायत्री मंदिर से बाबा विश्वनाथ की शाही सवारी निकाली गई जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाबा की शोभायात्रा देखने पहुंचे। प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी नगर में बाबा विश्वधाम की शाही सवारी गायत्री मंदिर के पास से शुरू हुई। शहर के अनेक चौक चौराहों से निकली बाबा की शाही सवारी में सैकड़ो लोग झूम रहे थे, नाच रहे थे। जगह-जगह स्वागत हो रहा था। सवारी में भगवान शिव को बैंड बाजे के साथ धूम धड़ाके और उल्लास के साथ पूरे शहर का भ्रमण कराया। जिस प्रकार से उज्जैन में शाही सवारी का महत्व भगवान महाकाल के प्रति भक्तों की श्रद्धा का प्रतीक माना जाता है उस प्रकार ही श्रद्धालु बाबा महाकाल को उनकी पसंद के भोग, फल, मिठाई और दूध अर्पित करते हैं।

लेटलतीफी: जब स्कूल लग चुके तब पहुंचा छुट्टी का आदेश

सागर। लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के चलते जिला प्रशासन ने स्कूलों की एक दिन की छुट्टी के आदेश दिए थे शिक्षा विभाग की लेटलतीफी का आलम यह रहा कि सुबह की पाली के स्कूल लग चुके थे और नौनिहाल भीगते स्कूल पहुंचे। कलेक्टर संदीप जीआर ने भारी बारिश को देखते हुए सरकारी और गैरसरकारी विद्यालयों की छुट्टी का आदेश जारी किया, लेकिन आदेश जब जारी किया गया, तब तक स्कूल लग ही चुके थे। बच्चे छाते, रेनकोट पहन कर जैसे-तैसे स्कूल पहुंचे। जब अभिभावकों ने सुबह 10 बजे सोशल मीडिया पर छुट्टी का आदेश देखा तो बच्चों की चिंता सताने लगी और प्रशासन को कोसते सुने गए।

मेट्रो एंकर | नशे से दूरी है जरूरी जन-जागृति अभियान कार्यक्रम का खेल परिसर में आयोजन

अच्छा खिलाड़ी बनने के लिए युवाओं को नशे से दूर रहने का संदेश

सागर । दोपहर मेट्रो

नशा मुक्त समाज के निर्माण के लिए जन-जागृति अभियान के तहत खेल परिसर में पुलिस एवं अन्य विभागों के सहयोग से नशा मुक्ति जागरूकता के लिए की गई गतिविधियों का का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम का समापन खेल परिसर स्थित बैडमिंटन हॉल में किया गया। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लोकेष सिन्हा, यूपीएस भदौरिया जिला सैनिक कल्याण अधिकारी, डीएस यादव संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय विभाग अतिथि के रूप में उपस्थित हुए।

कार्यक्रम में डीएस यादव ने कहा कि खिलाड़ियों को शिक्षा के साथ-साथ खेलों में भी आगे बढ़ने का मौका है। खेलों में आगे बढ़ने के लिए हर हाल में हमे नशे से दूर रह कर अपने आपको एक अच्छा खिलाड़ी बनाना है। यूपीएस भदौरिया ने नशे से दूरी बनाये रखने एवं मैदान से जुड़े रहने का खिलाड़ियों से अवाहन किया। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लोकेश सिन्हा, ने खिलाड़ियों से नशे से बचने के और उनके द्वारा समाज में किस तरह से वह अपना योगदान दे सकते है पर चर्चा की। साथ ही खिलाड़ियों को खेलों के दौरान तत्कालिक रूप से पदक अर्जित करने के लिए गैरजरूरी दवाओं के उपयोग से बचने के लिए मार्गदर्शन दिया। उन्होंने खिलाड़ियों को अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन अपनी महनत के बल पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। खिलाड़ियों एवं विभाग के सभी कर्मचारियों एवं अभिभावकगणों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई । सभी खिलाड़ियों को एक रैली के रूप में हरी झण्डी दिखा कर रवाना किया।

पुण्यतिथि पर परिजनों ने पौधरोपण कर मंदिर में दिए पंखे और साउंड सिस्टम

गंजबासौदा। स्वर्गीय किशन सिंह दांगी,जो कक्का जी के नाम से जाने जाते थे, उनकी 11वीं पुण्यतिथि पर उन्हें एक अनोखी और प्रेरणादायक श्रद्धांजलि दी गई। उनके पुत्रों कैलाश ठाकुर, पार्षद प्रतिनिधि राजू ठाकुर और एडवोकेट मनोहर ठाकुर के साथ-साथ उनके नाती नपा उपाध्यक्ष संदीप ठाकुर एवं अन्य सदस्यों ने मिलकर 51 पौधों का रोपण कर उन्हें याद किया। यह आयोजन बेदनखेड़ी टपरिया में नवनिर्मित शादी गार्डन परिसर और बेदनखेड़ी स्थित हनुमान मंदिर सहित कई जगहों पर हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत कक्का जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि देने से हुई। वहीं अलग अलग प्रजातियों 51 पौधे लगाए गए। यह पहल पर्यावरण संरक्षण के प्रति उनके प्रेम और समाज सेवा की भावना को दर्शाती है। इस दौरान वार्ड क्रमांक 8 के पार्षद प्रतिनिधि राजू ठाकुर ने बताया कि कक्का जी सभी क्षेत्रवासियों के लिए एक आदर्श थे। उनकी स्मृति में परिवारजनों और मित्रों ने मिलकर यह पुण्य कार्य किया। इस अवसर पर बेदनखेड़ी स्थित हनुमान मंदिर को साउंड सिस्टम और पंखे भेंट किए गए।

गूंजी संगीतमय चौपाइयां

नर्मदापुरम। फेपरताल वार्ड स्थित सुगमकुंज कालोनी में गुजराती बाज खेड़ावाल ब्राह्मण समाज नर्मदापुरम के अशोक दुबे के यहां संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। सुंदरकांड पाठ शाम 6 बजे से प्रारंभ हुआ जो देर रात तक चला। इस दौरान समाज के सौरभ तिवारी, राजकुमार तिवारी, ओमप्रकाश तिवारी, नरेंद्र भट्ट, रेवाशंकर तिवारी, वंश तिवारी, ओमप्रकाश तिवारी, मंगला तिवारी, ज्योति तिवारी, अरविन्द तिवारी और अन्य मौजूद रहे।

वाहन जब्ती की कार्यवाही रोकने के लिए कांग्रेस ने दिया ज्ञापन

गंजबासौदा। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने वार्ड दो के पार्षद और नगरपालिका में नेता प्रतिपक्ष जगदीश व्यास के साथ एक ज्ञापन एसडीएम को सौंपा है। जिसमें कहा गया है कि शहर में पुलिस और नगरपालिका द्वारा शासकीय और अशासकीय बैंकों के बाहर रखे दो पहिया वाहनों की जब्ती की कार्रवाई आए दिन की जाती है। जिससे वाहन मालिकों को परेशानी का सामना करना पड़ता हैं। क्योंकि सावन माह चल रहा है और रक्षाबंधन का त्यौहार आने वाला है। त्यौहार पर नागरिक बैंक और बाजार खरीदी के जाते हैं। आने वाले त्योहारों के देखते हुए ऐसी कार्रवाई को रोका जाए। बैंक प्रबंधकों और स्थानीय निजी संस्थानों के मालिकों को बुलाकर पार्किंग व्यवस्था पर जोर दिया जाए। जिससे बैंकों के पास वाहन पार्किंग की व्यवस्था हो। आम नागरिकों को भी असुविधा नहीं होगी। ज्ञापन देने वालों में प्रदीप, राजपाल सिंह, वीडी शर्मा, मणी भाई अहिरवार,पार्षद मंजू कुशवाहा, असांर मंसूरी, रमेश कुशवाह, महेंद्र, गजराज आदि मौजूद रहे।

आध्यात्मिक चिंतन की स्वर लहरी भट्ट पंचतत्व में विलीन

नर्मदापुरम। कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर से सेवा निवृत पंडित द्वारका प्रसाद भट्ट का 100 वर्ष की आयु में स्वर्गवास हो गया। उनके छोटे दामाद अरुण दीक्षित ने बताया कि स्वर्गीय भट्ट 24 घंटे ईश्वर चिंतन में अपना जीवन व्यतीत करने वाले थे। चाहे गर्मी हो या ठंड, बरसात हो लगभग 35 वर्षों से पिपरिया में प्रभात फेरी निकालते थे। जिसमें काफी संख्या में भक्तगण उपस्थित होते थे। उनके द्वारा बनर्जी कॉलोनी में सांई दरबार की भी स्थापना की गई थी। यहां सुबह शाम भजन कीर्तन आरती नित्य प्रति होती थी। उनके निधन से भक्तगणों में समाज में नगर में शोक की लहर दौड़ गई। चार बेटियों के पिता ने ईमानदारी एवं कर्तव्य निभाते हुए चारों बेटियों की शादी विवाह संपन्न कराया उनके कोई पुत्र नहीं थे। बड़े दामाद स्वर्गीय नरेंद्र दीवान मध्य प्रदेश विद्युत मंडल में मंझले दामाद जगदीश पांडे रेलवे में संजले दामाद प्रमोद दुबे रेलवे में कार्यरत थे। सबसे छोटे दामाद अरुण दीक्षित राज परिवहन निगम से सेवा निवृत हुए। 8 अगस्त को पिपरिया में भट्ट जी की श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया है।

औबेदुल्लागंज के छात्र-छात्राओं ने देखी सदन की कार्यवाही

औबेदुल्लागंज/भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा के पावस सत्र के दौरान ग्लोबल स्कूल ऑफ एक्सिलेंस, औबेदुल्लागंज के छात्र-छात्राएं सदन की कार्यवाही देखने पहुंचे। उन्होंने विधानसभा परिसर का भ्रमण भी किया। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने विद्यार्थियों के साथ संवाद किया और उनके प्रश्नों के उत्तर भी दिए। अध्यक्ष को बच्चों ने अपने हाथ से बनाई उनकी पेंटिंग और अध्यक्ष के व्यक्तित्व-कृतित्व पर लिखी कविता भी भेंट की। इस अवसर पर पूर्व मंत्री सुरेन्द्र पटवा भी उपस्थित थे।

कांवड़ियों की सेवा में जुटे सेवादार, जल-पान करा रहे वितरित

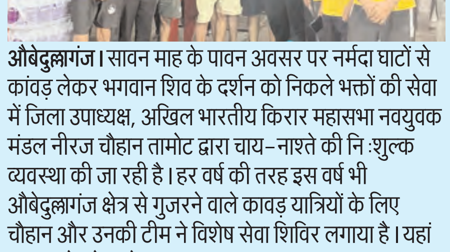

औबेदुल्लागंज। सावन माह के पावन अवसर पर नर्मदा घाटों से कांवड़ लेकर भगवान शिव के दर्शन को निकले भक्तों की सेवा में जिला उपाध्यक्ष, अखिल भारतीय किरार महासभा नवयुवक मंडल नीरज चौहान तामोट द्वारा चाय-नाश्ते की नि :शुल्क व्यवस्था की जा रही है। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी औबेदुल्लागंज क्षेत्र से गुजरने वाले कावड़ यात्रियों के लिए चौहान और उनकी टीम ने विशेष सेवा शिविर लगाया है। यहां श्रद्धालुओं को ताजे जल, चाय व अल्पाहार उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे वे यात्रा में तरोताजा रह सकें। नीरज चौहान ने बताया कि सावन महीना भक्ति, सेवा और पुण्य का प्रतीक है। हमारा यह प्रयास है कि भोले के भक्तों को किसी भी प्रकार की कोई असुविधा न हो और उन्हें ऊर्जा के साथ अपनी यात्रा पूरी करने में मदद मिले।

झापन घाट के व्यारमा नदी पर बना पुल व सड़क बही

तेंदूखेड़ा/तारादेही। क्षेत्र में लगातार भारी बारिश से बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं। व्यारमा नदी में उफान आने के कारण कुल 18 ग्राम सर्रा, तारादेही, झमरा, बम्होरी, खमतरा, सारसबगली, विलतरा, कोटखेड़ा, कोसमदा, बम्होरीमाल, खमरियां शिवलाल, केवलारी, जेतगढ, गोपालपुर, बिसनाखेड़ी, पिपरा, बर्धघटी, भैसां, बाढ से प्रभावित हुए हैं। जिनमें खमतरा एवं झमरा की अधिक स्थिति खराब है जों आदिवासी बाहुल्य ग्राम है। जिनमें 100 प्रतिशत घरों में लगभग 4 से 5 फिट पानी भर गया था जिस कारण ग्राम के लोगों के घरों के अंदर कीचड़ मच गया है। लोग खाने पीने एवं रूकने जैसे सुविधाओं के लिए परेशान हो रहे हैं। इसके अलावा जबलपुर-सागर स्टेट हाईवे पर झलोन के पास बना 40 साल पुराना पुल पर लगभग 20 फिट पानी होने के कारण एवं नदी के बहाव के प्रकोप से पुल क्षतिग्रस्त हो गया है। पुल का ऊपर का हिस्सा बह गया और सिर्फ पिलर ही दिखाई दे रहे हैं। इसके पूर्व 2013 में भी बाढ़ आने के कारण पुल का हिस्सा एक तरफ से खिसक गया था जिस कारण कई महीने मार्ग बंद रहा था। तेंदूखेड़ा से सागर जाने बाला मार्ग पूर्णतः बंद हो गया है। झापन पुल के उस पार लकलका, झापन सहित अनेक ग्रामों का तेंदूखेड़ा से सम्पर्क टूट गया है। अगर इन ग्रामों के लोगो को तेंदूखेड़ा आना होगा तो लगभग 50 किलोमीटर का चक्कर काटना पडेगा। इसके अलावा तेंदूखेड़ा-महाराजपुर रोड़ पर झमरा की पुलिया भी बहकर क्षतिग्रस्त हो गई है। जिसमें पुलिया के नीचे का हिस्सा भी बह गया है। अगर कोई भारी वाहन निकलेगा तो पुलिया धंस जाएगी। ऐसे ही इसी रोड़ पर चोचले बब्बा की पुलिया की उपर की सड़क के साथ साइड सोल्डर बह गए है।

आए दिन लग रहे ट्रैफिक जाम से मुसीबत झेल रहे नागरिक

शहर के मुख्य मार्गों पर फल-सब्जी के ठेले ऑटो रिक्शा और आवारा जानवरों का कब्जा

सागर। दोपहर मेट्रो

शहर में सुगम यातायात बनाए रखने की कवायद लगातार होती रहती है लेकिन नतीजा सिफर ही है। जब तब मुख्य सड़कों पर लगते जाम में आम नागरिकों को मुसीबतों में डाल रखा है। शहर के मुख्य बाजार कटरा, गुजराती बाजार,नमक मंडी में फल के ठेले सड़क के बीच खड़े होने से परेशानी का सबब बन रहे हैं। आवारा जानवरों का डेरा भी निरापद यातायात के लिए बड़ी चुनौती बने हुए हैं। कमोवेश यही हालात गोपालगंज, इतवारा बाजार, बड़ा बाजार के हैं। इसके अलावा जिला अस्पताल और बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज (बीएमसी)के गेट पर बेतरतीब खड़े ऑटो रिक्शा मरीजों सहित ट्रैफिक व्यवस्था को बिगाड़ रहे हैं। वैसे तो उक्त तमाम इलाकों में यातायात पुलिस कर्मी तैनात रहते हैं लेकिन पुलिस कर्मी के जाते ही हालात बिगड़ जाते हैं। मेडिकल कॉलेज गेट पर जाम कोई नई समस्या नहीं है। कई सालों से ऐसे हालात बने हुए हैं। यहां पर ऑटो चालक नियमों की धज्जियां उड़ाते प्रशासनिक व्यवस्था का मखौल उड़ा रहे हैं। इससे सबसे ज्यादा परेशानी मरीजों और आने जाने वाली एम्बुलेंस को होती है। यहां भी जब पुलिसकर्मी अपनी ड्यूटी पर मुस्तैद होते हैं तो व्यवस्था बनी रहती है। जैसे ही ट्रैफिक पुलिस अदृश्य होती है तो कॉलेज रोड पर लगने वाला जाम फिर आम हो जाता है। इस समस्या को हल करने के नाम पर मेडिकल कॉलेज प्रबंधन कार्रवाई के नाम पर महज पुलिस महकमे को चिट्ठियां लिख कर अपना पल्ला झाड़ रहा है।

तीनबत्ती से राधा तिराहे तक के ऐसे हैं सड़कों के हालात

तीनबत्ती से लेकर राधा तिराहे तक कच्चे आम, मूंगफली, भुट्टे,फल, सब्जी के ठेले पहले से सड़क पर लग रहे हैं। त्योहारों का सीजन शुरू हो रहा है इसलिए राखी,रुमाल आदि के ठेले भी बाजार में आ गए हैं। इनसे ट्रैफिक जाम तो हो ही रहा है और नागरिकों को अपने दो और चार पहिया वाहनों को पार्किंग करने जगह नहीं मिल रही है। सड़क पर खड़े ठेलों को हटाने ट्रैफिक पुलिस कार्रवाई करती है तब ये ठेले वाले भाग कर संकरी गलियों में पनाह ले लेते हैं। जो एकाध पकड़ में आ गया उस ठेले की जब्ती की कार्यवाही कर पुलिस अपनी ड्यूटी की इतिश्री कर यह मान लेती है कि अब सब ठीक हो गया। लेकिन पुलिस के जाते ही वे पुन: सड़कों पर सामग्री का विक्रय आरंभ कर देते हैं। चूहे बिल्ली का यह खेल अरसे से जारी है, और इसके बाद पार्किंग के लिए जगह न मिलने से यहां-वहां खड़े वाहनों की चालानी कार्रवाई का शुरू होती है। इसके अलावा आवारा पशुओं के सड़कों के बीच बैठ कर जुगाली करने के नजारे आम बात है। कहने को तो नगर निगम प्रशासन आवारा जानवरों की धर पकड़ करने का अभियान चलाती रहती लेकिन समस्या जस की तस है।

लवकुशनगर थाना क्षेत्र का मामला

अगवा करने की खबर मिली, लेकिन चोरी में लिप्त मिलीं महिलाएं

छतरपुर। दोपहर मेट्रो

जिले के लवकुशनगर थाना क्षेत्र में बीती देर रात डायल-100 पर एक सूचना मिली। बताया गया कि 13 महिलाओं का अपहरण कर उन्हें एक एंबुलेंस से उत्तरप्रदेश ले जाया जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए बताए गए रास्ते पर एंबुलेंस का पीछा किया। कुछ देर बाद एंबुलेंस को पठा चौकी के पास रोक लिया गया। उसमें सवार सभी महिलाओं को लवकुशनगर थाने लाया गया। इस दौरान पुलिस की पूछताछ में सामने आया कि सभी महिलाएं बागेश्वरधाम में संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त थीं। आरोप है कि ये महिलाएं धाम में चोरी करने का प्रयास कर रहीं थीं। एंबुलेंस में सवार बागेश्वरधाम के सेवादार ने बताया कि धाम में रह रहीं इन संदिग्ध महिलाओं को घर जाने के लिए कहा गया था, लेकिन वह नहीं गईं। हम उन्हें महोबा रेलवे स्टेशन छोड़ने जा रहे थे। हमारा मकसद सिर्फ उन्हें धाम से हटाना था, इसलिए एंबुलेंस का इस्तेमाल किया। हालांकि, बागेश्वरधाम ट्रस्ट या संस्था की ओर से इस मामले को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

बागेश्वर धाम में चोरी की कोशिश का आरोप

कोपरा कोटा जंगल में बाघ ने बना लिया अपना कॉरिडोर, मवेशी का किया शिकार, लोगों में डर

शहडोल। दोपहर मेट्रो

जिले में जंगली हाथियों के बाद अब बाघ ने दस्तक दी है। बाघ के हमले से एक मवेशी की मौत के बाद बाघ के आमद की जानकारी स्थानीय लोगों को हुई,जिसके बाद वन विभाग के अधिकारियों को ग्रामीणों ने मामले की जानकारी दी। मौके पर वन विभाग की टीम ने पहुंचकर क्षेत्र में मुनादी करना शुरू कर दिया है। ग्रामीणों को खेत व जंगल में बाघ के पगमार्क मिले हैं। जिससे लोगों में काफी डर का माहौल है। मामला केशवाही वन परिक्षेत्र का है।

केशवाही वन परिक्षेत्र के रुपौला के पास स्थित कोपरा कोटा के रहने वाले परमेश्वर सिंह ने बताया कि वह अपने घर से मवेशियों को चराने के लिए पास में स्थित कोपरा कोटा जंगल गए थे, शाम के वक्त उन्होंने अपने मवेशियों को घर की ओर खदेड़ा तो उसमें एक मवेशी कम था। इसके बाद परमेश्वर सिंह अन्य मवेशियों को लेकर घर पहुंचा और घर के लोगों को एक मवेशी कम होने की जानकारी दी, गांव के लोग इकट्ठा हुए और मवेशी की तलाश में जुड़ गए। कोपरा कोटा के जंगल में लापता मवेशी मृत अवस्था में मिला,

जिसे देख ग्रामीण डर गए , क्यों की मवेशी के शरीर में बाघ के हमले के निशान दिखाई दिए। परमेश्वर सिंह ने बताया कि जहां पर मवेशी मृत अवस्था में पड़ा था,वही पास में गीली मिट्टी में बाघ के कई पगमार्क दिखे। गांव के कुछ लोगों ने बाघ के पगमार्क की फोटो ली और मौके से भाग निकले। गांव आने के बाद लोगों ने मामले की जानकारी वन विभाग को दी। जानकारी के बाद वन विभाग के अमले ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। केशवाही रेंजर अंकुर तिवारी ने बताया कि कोपरा कोटा में एक बाघ पिछले एक साल से अपना डेरा बनाए हुए है। बाघ ने इसे अपना कॉरिडोर बना लिया है। हम आसपास के गांव में मुनादी कर लोगों को सतर्क रहने की सलाह दे रहे हैं, कि लोग जंगल की ओर न जाएं। बाघ ने एक मवेशी का शिकार किया है। हम अपनी प्रक्रिया कर रहे हैं।

मेट्रो एंकर

मंडला जिले के हिरदेनगर गांव में मछुआरों के जाल में फंसा दुर्लभ सांप

मछली के जाल में फंस गया देश का सबसे जहरीला सांप बैंडेड करैत

मंडला। दोपहर मेट्रो

जिले में प्रतिबंध के बावजूद कुछ मछुआरों ने मछलियां मारने के लिए जाल बिछाया था। जब वो जाल में फंसी मछलियों को निकालने के लिए पहुंचे तो उसमें फंसे दुर्लभ सांप को देखकर कांप उठे। जाल में सांप के फंसे होने की सूचना तुरंत स्नेक कैचर को दी जिसके बाद स्नेक कैचर मौके पर पहुंचा और कड़ी मशक्कत के बाद सांप को जाल काटकर सुरक्षित बचाया। स्नेक कैचर ने बताया कि जो सांप जाल में फंसा था वो मामूली सांप नहीं है बल्कि देश के सबसे जहरीले सांपों में से एक बैंडेड करैत सांप है। मंडला जिला मुख्यालय से करीब 15 किमी. दूर हिरदेनगर गांव में मछुआरों के जाल में फंसे जिस सांप का स्नेक कैचर उत्तम मेहरा ने रेस्क्यू किया वो बेहद दुर्लभ प्रजाति का है।

सांपों का शिकार करता है बैंडेड करैत

स्नेक कैचर ने बताया कि ये बैंडेड करैत सांप है जो कि बेहद दुर्लभ होता है और खुद सांपों का शिकार करता है। ये बेहद जहरीला होता है और अगर ये किसी इंसान को काट ले तो कुछ ही देर में इंसान की मौत हो सकती है। स्नेक कैचर ने बड़ी ही सावधानी से जाल को काटकर सांप का रेस्क्यू किया और फिर उसे सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया। जानकारी के मुताबिक बैंडेड करैत प्रजाति के इस सांप को स्थानीय भाषा में अधिराज भी कहा जाता है। ये बेहद जहरीला होता है और देश के सबसे जहरीले सांपों में से एक है और कॉमन करैत से भी ज्यादा खतरनाक होता है। यह सांप अन्य सांपों को खाता है, इसलिए इसे सांपों का शिकारी भी कहा जाता है।

अवहेलना का मामला: पीएस, कलेक्टर और तहसीलदार को हाईकोर्ट का नोटिस

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट की मुख्यपीठ जबलपुर ने सीमांकन के मामले में जारी आदेश की अवहेलना को लेकर तीन अधिकारियों को नोटिस जारी किया है। जबलपुर निवासी अमित सेन ने रजिस्टर्ड विक्रय पत्र के आधार पर अपने प्लॉट का सीमांकन करवाने के लिए आवेदन किया था। नियम के मुताबिक एक माह में सीमांकन हो जाना था। लेकिन प्रशासनिक लापरवाही के कारण एक वर्ष बाद भी उनका सीमांकन नहीं हुआ। जिसको लेकर उन्होंने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। जिस पर हाईकोर्ट में जस्टिस विशाल धगत की सिंगल बेंच में सुनवाई हुई। कोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखते हुए अधिकारियों को एक माह के भीतर सीमांकन की कार्रवाई पूरी करने के निर्देश दिए थे। 10 फरवरी 2025 को जारी किए गए इस आदेश के बाद भी अधिकारियों ने याचिकाकर्ता के प्लॉट का वास्तविक सीमांकन न कर केवल कागजी औपचारिकताएं पूरी कीं। कोर्ट ने प्रारंभिक सुनवाई में इस लापरवाही को साफ तौर पर अदालत के आदेश की अवमानना माना। इसी के चलते कोर्ट ने राज्य शासन के राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव विवेक पोरवाल, जबलपुर कलेक्टर दीपक सक्सेना और पनागर तहसीलदार विकास चंद जैन को नोटिस जारी करते हुए उनसे जवाब मांगा है कि क्यों न उनके खिलाफ अवमानना की कार्यवाही शुरु की जाए।

कसरावद क्षेत्र में स्टेयरिंग रॉड टूटने से यात्री बस पलटी, आठ घायल

खरगोन। कसरावद क्षेत्र में गत दिवस हुए एक हादसे में सवारियों से भरी बस पलटी खा गई। मौके पर सवारियों में चीख पुकार मच गई। बस में करीब 40 यात्री सवार थे, जिनमें से करीब 8 लोग घायल हुए हैं, जिन्हें तुरंत ही पास के गोगावा अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां से तीन गंभीर घायलों को जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया है। फिलहाल सभी घायलों का इलाज जारी है और गनीमत रही कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। खरगोन के कसरावद थाने के खामखेड़ा पुलिस चौकी के अंतर्गत आने वाले मुलठान गांव के पास एक बस हादसा हो गया। जिसमें ग्राम मुलठान में जैन ट्रैवल्स की बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। बताया जा रहा है कि निजी यात्री बस मुलठान से कसरावद की ओर जा रही थी। इस दौरान बस अचानक अनियंत्रित होकर रोड साइड में पलट गई थी। वहीं यात्रियों के अनुसार बस की स्टेरिंग रॉड टूटने के कारण यह हादसा हुआ है, जिसके चलते वाहन सड़क से फिसलकर नीचे गिर गया था। दुर्घटना में कई यात्री घायल हुए जिन्हें तत्काल 108 एम्बुलेंस की सहायता से गोगांवा अस्पताल भेजा गया। उसके बाद तीन घायलों को जिला अस्पताल भी रेफर किया गया। उधर, हादसे की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन एवं पुलिस का अमला मौके पर पहुंचकर राहत कार्य में जुट गया।

चित्रकूट में तुलसी जयंती समारोह आज से

सतना। प्रदेश के संस्कृति विभाग की जनजातीय लोक कला एवं बोली विकास अकादमी के अन्तर्गत संचालित तुलसी शोध संस्थान चित्रकूट द्वारा तुलसी जयंती के अवसर पर प्रतिवर्ष की भांति आज से दो दिवसीय तुलसी जयन्ती समारोह का आयोजन किया जा रहा है। चित्रकूट के नयागांव स्थित तुलसी शोध संस्थान के सभागार में शाम 6 : 30 बजे इस समारोह का शुभारंभ संतों एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा किया जाएगा। तुलसी शोध संस्थान के निदेशक दीपक कुमार गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम के प्रथम दिवस विदुषी उमा कंपूवाले, ग्वालियर के रामकथा साहित्य पर व्याख्यान के पश्चात् वेद नाट्य संस्थान, उज्जैन के कलाकारों द्वारा विशेष रूप से तैयार की गई उर्मिला चरित पर केंद्रित नाट्य प्रस्तुति उर्मिला-यशोगान की प्रस्तुत होगी। इसी क्रम में द्वितीय दिवस एक अगस्त को डबरा के वरिष्ठ कथाकार डॉ. राम गोपाल भावुक शम्बूक चरित पर केंद्रित सारगर्भित व्याख्यान प्रस्तुत करेंगे। इसके पश्चात सांस्कृतिक प्रस्तुति के रूप में वरिष्ठ लोकगायक फूलसिंह मांडरे द्वारा बुंदेली में राम और मणिमाला सिंह द्वारा बघेली में राम की साथी कलाकारों सहित लोक के विशिष्ट पदो की संगीतमय गायन प्रस्तुति होगी।

मजहब बना दीवार तो प्यार को शादी में बदलने शिफा बनी शानवी, लिए फेरे

खंडवा। कहते हैं प्रेम ना तो सरहद देखता और न ही मजहब। वह तो अपनी सनम की आंखों में हर पल अपना करम देखता है। इसका एक जीता-जागता उदाहरण खंडवा में देखने को मिला। जब छतरपुर से आए एक प्रेमी युगल ने समाज के बंधनों को तोड़ते हुए एक-दूसरे का दामन थाम लिया। सावन के इस पावन महीने में दोनों से सात फेरे लेकर शादी कर ली। दरअसल, युवती ने स्वेच्छा से धर्म परिवर्तन कर हिंदू युवक राहुल से विवाह किया। महादेवगढ़ मंदिर में संपन्न इस विवाह के दौरान सैकड़ों महिलाएं इसकी साक्षी बनी। साथ ही इस पवित्र बंधन की गवाह बनकर आशीर्वाद दिया। इतना ही नहीं उन्होंने इस अनोखे प्रेम की मिसाल को सराहा भी। मूल रूप से छतरपुर की रहने वाली युवती शिफा का प्रेम हिंदू युवक राहुल से कॉलेज के समय से था। दोनों के बीच कई सालों से संबंध थे। लेकिन धार्मिक मान्यताओं और सामाजिक दबाव के कारण उनके प्रेम को परिवारों की स्वीकृति नहीं मिल पा रही थी। इसके बावजूद दोनों ने एक-दूसरे का साथ नहीं छोड़ा। युवती ने सही वक्त का इंतजार किया और धर्म बदलकर फेरे ले लिए।

दो साल बाद मणिपुर में डूरंड कप की वापसी

फुटबॉल प्रेमियों में दिखा जबरदस्त उत्साह, झूमकर नाचे शहरवाशी

इम्फाल, एजेंसी

मणिपुर के फुटबॉल प्रशंसकों के लिए बुधवार का दिन बेहद रोमांचक रहा। एशिया के सबसे पुराने फुटबॉल टूर्नामेंट डूरंड कप की दो साल बाद मणिपुर में वापसी हुई है। इसे लेकर शहर के फुटबॉल प्रेमी उत्साहित हैं।

स्थानीय टीमें टिडिम रोड एथलेटिक यूनियन एफसी टीआरएयू एफसी और नॉर्थ ईस्टर्न री-ऑर्गनाइजिंग कल्चरल एसोसिएशन फुटबॉल क्लब नेरोका एफसी 134वें डूरंड कप के ग्रुप एफ के पहले मैच में इम्फाल डर्बी में आमने-सामने हुईं।

संकट से जूझ रहा मणिपुर

फुटबॉल प्रेमी वांगखेमचा ने कहा, हम एशिया के सबसे पुराने फुटबॉल टूर्नामेंट, डूरंड कप का स्वागत करना चाहते हैं। सबसे पहले मैं भारतीय सेना को इस टूर्नामेंट के आयोजन और इसे वापस लाने और प्रशंसकों को इम्फाल में मैच देखने का मौका देने के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। मणिपुर में हम संकट से जूझ रहे हैं, इस टूर्नामेंट के जरिए हम लोगों की मानसिकता को हल्का कर सकते हैं। मैं दोनों टीमों को शुभकामनाएं देना चाहता हूं। यह टूर्नामेंट उन पीढ़ियों को प्रभावित करेगा, जो फुटबॉल खेलना चाहती हैं। मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला उद्घाटन समारोह और मैच में शामिल हुए। इस दौरान एक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुआ। हालांकि, कई फुटबॉल प्रेमी नाखुश थे क्योंकि स्टेडियम बहुत खचाखच भरा था और सभी के लिए पर्याप्त सीटें नहीं थीं। कुछ लोगों को आराम से घूमने या मैच देखने में भी मुश्किल हो रही थी।

ओवल टेस्ट आज से, सीरीज बराबरी करने उतरेगी टीम इंडिया

गिल के सामने हैं गंभीर चुनौतियां

नई दिल्ली एजेंसी

भारत-इंग्लैंड सीरीज का आखिरी मैच आज से शुरू हो रहा है। इस मुकाबले में जीत हासिल कर टीम इंडिया 5 मैचों की इस सीरीज को बराबरी पर खत्म कर सकती है। भारत के लिए अच्छी खबर ये है की इंग्लैंड के करिश्माई कप्तान बेन स्टोक्स और तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर इस टेस्ट मैच में उपलब्ध नहीं होंगे। मैच भारतीय समयानुसार दोपहर 3:30 बजे शुरू होगा।

कप्तान स्टोक्स पिछले दो टेस्ट मैचों में गेंदबाजी करते हुए दाहिने कंधे की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण बाहर हो गए हैं जबकि चार साल बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी करने वाले आर्चर को लगातार दो मैचों में खेलने के बोझ के बाद आराम दिया गया है। तेज गेंदबाज ब्रायडन कार्स और बाएं हाथ के स्पिनर लियाम डॉसन को भी आराम दिया गया है। कार्यवाहक कप्तान ओली पोप के लिए यह कड़ी चुनौती होगी क्योंकि जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति में भारतीय टीम से पूरी ताकत लगाने की उम्मीद है। भारत ने ओल्ड ट्रैफर्ड में खेले गए चौथे टेस्ट मैच को ड्रॉ कराकर पांच मैचों की सीरीज को जीवंत रखा है। वह 5वें मैच में सीरीज बराबर करने के लक्ष्य के साथ मैदान पर उतरेगा। वहीं अभी 2-1 से आगे चल रहा इंग्लैंड सीरीज जीतने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगा। भारत के नए कप्तान शुभमन गिल ने अभी तक अपनी कप्तानी और बल्लेबाजी दोनों से प्रभावित किया है। उम्मीद है कि सीरीज का अंतिम मैच रोमांचक होगा क्योंकि लगातार बेहतर होते जा रहे गिल की अगुवाई में भारत के पास इंग्लैंड की टीम पर करारा प्रहार करने का मौका है जिसका गेंदबाजी आक्रमण प्लेइंग इलेवन में किसी विशेषज्ञ स्पिनर के नहीं होने से पूरी तरह बदल जाएगा। गिल ने सीरीज में अब तक 722 रन बनाए हैं और वह एक श्रृंखला में किसी

गावस्कर का रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं गिल

यही नहीं उन्हें टेस्ट सीरीज में भारतीय कप्तान द्वारा सर्वाधिक रन 732 बनाने के गावस्कर के रिकार्ड 1978-79 बनाम वेस्टइंडीज को तोड़ने के लिए 11 रन और चाहिए। 25 वर्षीय गिल ने अब तक चार शतक जड़े हैं, जिनमें एक दोहरा शतक और ओल्ड ट्रैफर्ड में पिछले टेस्ट में खेली गई 103 रनों की मैच बचाने वाली पारी शामिल है। गिल ने मैनचेस्टर में अपने करियर की सबसे निर्णायक पारी खेली और न केवल एक बल्लेबाज, बल्कि एक कप्तान के रूप में भी अपनी प्रतिष्ठा में चार चांद लगाए। भारतीय बल्लेबाजों में केएल राहुल ने अपने प्रदर्शन में अभी तक निरंतरता दिखाई है। उन्होंने अभी तक श्रृंखला में 511 रन बनाए हैं, लेकिन ओवल की बल्लेबाजी के लिए अच्छी पिच पर यशस्वी जायसवाल और तीसरे नंबर पर साई सुदर्शन से और बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद की जाएगी। चोटिल ऋषभ पंत की अनुपस्थिति में वॉशिंगटन सुंदर और रवींद्र जडेजा ने चौथे टेस्ट मैच में शतक लगाए थे और उनके शीर्ष छह में बने रहने की संभावना है। भारतीय टीम प्रबंधन आठवें नंबर तक बल्लेबाजी विकल्प रखने में दृढ़ता से विश्वास करता है और इस कारण कुलदीप यादव को एक बार फिर अंतिम एकादश से बाहर रखा जा सकता है।ध्रुव जुरेल विकेटकीपिंग करेंगे और पंत की अनुपस्थिति में सातवें नंबर पर बल्लेबाजी कर सकते हैं।

इंग्लैंड| जैक क्रॉउली, बेन डकेट, ओली पोप कप्तान, जो रूट, हैरी ब्रुक, जैकब बेथे, जैमी स्मिथ विकेटकीपर, क्रिस वोक्स, गुस एटकिंसन, जैमी ओवरटन, जोश टंग।

भारत| शुभमन गिल कप्तान, यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल विकेटकीपर, वाशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, कुलदीप यादव, अंशुल कंबोज, अर्शदीप सिंह, एन जगदीशनविकेटकीपर

ओवल टेस्ट में जसप्रीत बुमराह की उपलब्धता पर संशय में शुभमन गिल

लंदन। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने कहा है कि इंग्लैंड के खिलाफ द ओवल में होने वाले पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच के लिए जसप्रीत बुमराह की उपलब्धता पर फैसला मैच के दिन लिया जाएगा। भारत पांच मैचों की सीरीज में 1-2 से पीछे है और बराबरी के लिए आखिरी टेस्ट में जीत जरूरी है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में शुभमन गिल ने कहा, विकेट हरा दिख रहा है।

जसप्रीत बुमराह पर हम गुरुवार को फैसला लेंगे। अर्शदीप सिंह को तैयार रहने को कहा गया है और अगर बुमराह को आराम दिया जाता है तो वह टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण कर सकते हैं। गिल ने स्पिन विकल्पों पर कहा, हमें रवींद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर पर पूरा भरोसा है कि वे स्पिन की जिम्मेदारी प्रभावी ढंग से निभाएंगे। भारतीय कप्तान ने कहा कि सीरीज हमारे लिए सीखने का एक अच्छा अनुभव रही है। हर मैच बेहद करीबी रहा है। हमें उम्मीद है कि हम जीत के साथ अंत करेंगे। 2-2 का परिणाम टीम के लिए अच्छा रहेगा। सीरीज के दौरान दोनों टीमों के बीच हुई नोंकझोंक पर गिल ने कहा, रिश्ता बहुत अच्छा है। जब आप मैदान पर होते हैं, तो आप जीतने की कोशिश करते हैं, दोनों टीमें प्रतिस्पर्धी रही हैं। कभी-कभी जोश में आकर कुछ हो जाता है। लेकिन, मैच खत्म होने के बाद आपसी सम्मान बना रहता है।

कुलदीप से परहेज कब तक और क्यों....?

ओवल टेस्ट का सबसे बड़ा सवाल

टीम इंडियाऔर इंग्लैंड के बीच 5 मैचों की टेस्ट सीरीज अब अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंच गई है।बल्लेबाजों के दबदबे वाली यह सीरीज रोमांचक मोड़ ले चुकी है।दोनों टीमें अब सीरीज के आखिरी टेस्ट में ओवल के मैदान पर एक-दूसरे को टक्कर देने उतरेंगी। एक तरफ टीम इंडिया सीरीज ड्रॉ करवाने की फिराक में होगी तो दूसरी तरफ इंग्लैंड की टीम सीरीज अपने नाम करना चाहेगी।हालांकि एक बात तो तय है कि मेजबान टीम इस मैच के किसी भी रिजल्ट से सीरीज हार नहीं सकती है। शायद यही वजह है उसने अपनी अंतिम एकादश में बड़े बदलाव करते हुए कई प्रमुख खिलाड़ियों को आराम देने का फैसला किया है।लेकिन मेरे नजरिये में इसका मतलब यह कतई नहीं है कि इससे टीम इंडिया की राह आसान हो गयी है।दरअसल लगातार 4 मैचों में उनके गेंदबाजों का सामना करने से टीम इंडिया के बल्लेबाजों को उनकी ताकत व कमजोरी का अनुमान हो गया था।अब जबकि उनके गेंदबाजी क्रम एकदम नया रहेगा तो फिर अगर यह पिच गेंदबाजों की मददगार रही तब उनकी मुश्किलें बढ़ भी सकती।वैसे अगर हम मौजूदा सीरीज के अब तक हुए 4 टेस्ट मैचों की बात करें

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

तो फिर भले ही इंग्लैंड टीम के पास 2-1 की बढ़त है,लेकिन इस बढ़त के बाद भी मनोबल के हिसाब से मेजबान टीम मैदान पर पिछड़ी ही नजर आ रही है।असल में जिस अंदाज में कोहली,रोहित ओर अश्विन की गैरमौजूदगी में युवा टीम इंडिया ने सभी मैचों में अंग्रेज टीम को छकाया है यह काबिले तारीफ है।सभी मैचों में अंग्रेजों की झल्लाहट की चरम झलक चौथे टेस्ट मैच के आखिरी सत्र में साफ देखने को भी मिली।चौथे मैच में इंग्लैंड को पछाड़ने वाली टीम इंडिया के लिए ओवल में टेस्ट सीरीज का पांचवां और अंतिम मुकाबला करो या मरो वाला हो गया है।अब सीरीज को 2-2 से बराबर करने के लिए टीम इंडिया के पास जीत के अलावा और कोई विकल्प शेष नहीं है।अब सवाल यह उठता है कि अगर टीम इंडिया को इसमैच में जीत हासिल करनी है तो फिर उसका इसके लिए कौनसा फार्मूला कारगर हो सकता है।यह बात वाकई में समझ से परे है कि जब इस इंग्लैंड दौरे पर टीम इंडिया की तरफ से 11 व्यक्तिगत शतकों के साथ सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजी की गई है तो फिर टीम मैनजेमेंट गेंदबाजी विकल्प की ताकत क्यों नहीं बढ़ा रहा है।वैसे तो टीम इंडिया ने सभी मैचों में 6 गेंदबाजी विकल्पों का चयन किया है लेकिन इसमें उसके 3 ही असल गेंदबाज रहे है,बाक़ी 3 बल्लेबाज आलराउंडर टीम का हिस्सा थे।मतलब साफ है कि टीम इंडिया किसी भी हाल एक और विशेषज्ञ गेंदबाज को एकादश में शामिल करने का जोखिम नहीं ले पा रही है।जबकि टीम में कुलदीप यादव जैसा मैच विनर गेंदबाज ड्रेसिंग रूम में उपलब्ध है।मेरे हिसाब से कुलदीप यादव को टीम मे शामिल करने की सबसे बड़ी वजह यह है कि मौजूदा सीरीज के सभी मैच पांचवे दिन के आखिरी सत्र तक चले है,जहां पिच पर फुटमार्क भी नजर आये हैं।ऐसे में इंग्लैंड टीम का टॉस जीतकर आखिरी पारी में चेस करने के फार्मूले पर भी ये फिरकी चूना लगा सकता है फिर भी लगातार इस गेंदबाज से परहेज क्यों किया जा रहा है।सवाल तो सच में बेहद गंभीर है।सही मायने में इसका जवाब आखिरी टेस्ट मैच का सबसे दिलचस्प पहलू रहेगा।ओवल के मैदान में होने वाले निर्णायक टेस्ट मैच में ऊंठ किस करवट बैठेगा यह तो वक्त ही बतायेगा, लेकिन इस बात में कोई शक नहीं कि ओल्ड ट्रैफर्ड में शानदार वापसी करने वाली टीम इंडिया अगर इस मैच में सही गेंदबाजी आक्रमण चुने ओर उसकी बल्लेबाजी लय में रही तो वह सीरीज का आखिरी मुकाबला जीत कर इंग्लैंड को सीरीज बराबरी पर रोक

मनोरंजन

बॉलीवुड का कोना

दूधो नहाओ पूतो फलो के सेट पर रानी चटर्जी पूरियां तलती आई नजर

भोजपुरी अभिनेत्री रानी चटर्जी इन दिनों फिल्म दूधो नहाओ पूतो फलो की शूटिंग में बिजी हैं। फिल्म शूटिंग ग्रामीण इलाकों में की जा रही है। इस बीच अभिनेत्री ने सेट से एक वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है। इस वीडियो को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। इंस्टाग्राम पर पोस्ट वीडियो में रानी खाना बनाती दिख रही हैं। वीडियो में गांव का माहौल दर्शाया गया है। अभिनेत्री चूल्हे पर पूरियां तलती नजर आ रही हैं। इस दौरान उनके आसपास बाकी महिलाएं उनका साथ दे रही हैं। कोई लोई बनाने में मदद कर रही है, तो कोई उसको बेलने में साथ दे रही हैं। लुक की बात करें तो सिर से लेकर पैर तक रानी नई नवेली दुल्हन के रूप में दिखाई दे रही हैं। वीडियो पोस्ट करते हुए रानी ने कैप्शन में लिखा, शूटिंग पर बहुत अच्छे अनुभव होते हैं। दूधो नहाओ पूतो फलो के सेट पर। अभिनेत्री का यह पोस्ट प्रशंसकों को काफी पसंद आ रहा है। रानी के फैंस कमेंट सेक्शन में उन्हें हार्ट और फायर के इमोजी कमेंट कर रहे हैं। फैंस से जुड़े रहने के लिए रानी इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव रहती हैं, वह अपनी जिंदगी से जुड़ी हर चीज और शूटिंग के पलों को भी साझा करती रहती हैं। इससे पहले उन्होंने शूटिंग से जुड़ी वीडियो पोस्ट की थी, जिसमें वह मेकअप कराती नजर आईं थीं। अभिनेत्री मेकअप वैनिटी वैन में नहीं बल्कि खुले मैदान में कराती दिखी थीं। इस वीडियो के साथ उन्होंने बेहद खूबसूरत कैप्शन दिया, अनुभव हमेशा काम से आता है।

नोरा फतेही और रेवैनी की जोड़ी फिर मचाएगी धमाल

गाने में आपको अफ्रीका और भारतीय संगीत दोनों का मिश्रण देखने को मिलेगा

बॉलीवुड की डांसिंग क्वीन के नाम से मशहूर एक्ट्रेस नोरा फतेही एक बार फिर अपने फैंस के लिए कुछ खास लेकर आ रही हैं। इस बार उन्होंने तंजानिया के मशहूर सिंगर और सॉन्ग राइटर रेवैनी के साथ मिलकर एक धमाकेदार क्रॉस-कल्चरल ट्रैक तेतेमा तैयार किया है। इस गाने में आपको अफ्रीका और भारतीय संगीत दोनों का मिश्रण देखने को मिलेगा। वहीं, गाने में धमाकेदार बीट्स, डांस और इंटरनेशनल अंदाज होगा।

बताया जा रहा है कि यह गाना अफ्रो-बोंगो म्यूजिक और कई भाषाओं और संस्कृतियों का मेल है। सूत्रों के मुताबिक, इस गाने का नाम ओ मामा तेतेमा हो सकता है, जो कि रेवैनी और डायमंड प्लैटिनम्ज के मशहूर गाने से प्रेरित है। यह गाना अफ्रीकन और इंडियन म्यूजिक का मिक्सअप है, जिसमें नोरा न केवल अपनी डांसिंग स्किल्स दिखाएंगी, बल्कि अपनी आवाज का भी जादू बिखेरेंगी।

तेतेमा में अफ्रो-बोंगो बीट्स के साथ अंग्रेजी, स्वाहिली और हिंदी लिरिक्स का मिश्रण होगा।

नोरा और रेवैनी की दूसरी साझेदारी

सूत्रों के मुताबिक, यह गाना रेवैनी और डायमंड प्लैटिनम्ज के हिट ट्रैक तेतेमा का रीक्रिएटेड वर्जन है, जिसका टाइटल ओह मामा तेतेमा हो सकता है। यह नोरा और रेवैनी की दूसरी साझेदारी है। इससे पहले साल 2019 में दोनों का गाना पेपेता सोशल मीडिया पर वायरल हो चुका है। तेतेमा के साथ नोरा ग्लोबल म्यूजिक में छाप छोड़ने को तैयार हैं। फैंस इस इंडो-अफ्रीकन फ्यूजन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

मेट्रो बाजार

राजमार्गों और एक्सप्रेसवे पर 4,557 ईवी चार्जिंग स्टेशन किए गए इंस्टॉल

नई दिल्ली। देश में राज्य, राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेसवे पर 1,46,342 किलोमीटर की लंबाई में कुल 4,557 इलेक्ट्रिक वाहन ईवी पब्लिक चार्जिंग स्टेशन पीसीएस स्थापित किए गए हैं। यह जानकारी बुधवार को संसद को दी गई। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि उत्तर प्रदेश में 507 पब्लिक ईवी चार्जिंग स्टेशन हैं, जिसके बाद कर्नाटक में 489, महाराष्ट्र में 459, तमिलनाडु में 456 और राजस्थान में 424 पब्लिक ईवी चार्जिंग स्टेशन हैं। उन्होंने कहा, ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशिएंसी बीईई के पास उपलब्ध जानकारी के अनुसार, देश में राज्य/राष्ट्रीय राजमार्गों/एक्सप्रेसवे पर कुल 4,557 ईवी पब्लिक चार्जिंग स्टेशन (पीसीएस) स्थापित किए गए हैं। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि चार्जिंग पॉइंट ऑपरेटरों (सीपीओ) को प्रोत्साहन देने की कोई योजना नहीं है। इस बीच, देश के टियर 2 शहरों में वर्तमान में 1 अप्रैल, 2025 तक 4,625 ईवी चार्जिंग स्टेशन चालू हैं। सरकार ने हाल ही में कहा था कि 2,000 करोड़ रुपए के वित्तीय परिव्यय के साथ, पीएम ई-ड्राइव योजना देश भर में लगभग 72,000 ईवी सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना में सहायता करेगी। भारी उद्योग मंत्रालय ने एक बयान में कहा था कि ये स्टेशन 50 राष्ट्रीय राजमार्ग गलियारों, मेट्रो शहरों, टोल प्लाजा, रेलवे स्टेशनों स्थापित किए जाएंगे।

हम वियतनाम और भारत के बीच आर्थिक साझेदारी को मजबूत बनाने के लिए तत्पर

नई दिल्ली। अदाणी ग्रुप के अध्यक्ष गौतम अदाणी ने वियतनाम की कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव टो लाम से मुलाकात की और कहा कि वे वियतनाम-भारत आर्थिक साझेदारी को मजबूत बनाने के लिए तत्पर हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में, गौतम अदाणी ने वियतनाम को बंदरगाहों और ऊर्जा सहित सभी क्षेत्रों में एक रीजनल लीडर के रूप में स्थापित करने के लिए लाम के साहसिक सुधारों और दूरदर्शी एजेंडे की सराहना की।

अरबपति उद्योगपति ने कहा, ÷वियतनाम की कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव टो लाम से मिलना सौभाग्य की बात थी। एनर्जी, लॉजिस्टिक्स, बंदरगाहों और विमानन क्षेत्र में वियतनाम को एक रीजनल लीडर के रूप में स्थापित करने के उनके साहसिक सुधार और दूरदर्शी एजेंडा असाधारण रणनीतिक दूरदर्शिता को दर्शाते हैं।÷ गौतम अदाणी ने आगे कहा, ÷हम इस परिवर्तनकारी यात्रा में योगदान देने और वियतनाम-भारत आर्थिक साझेदारी को मजबूत बनाने के लिए तत्पर हैं।÷ भारत और वियतनाम के बीच लंबे समय से व्यापारिक और आर्थिक संबंध हैं। वित्त वर्ष 2025 के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 15.76 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जो सालाना आधार पर 6.40 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। वियतनाम को भारत का निर्यात 5.43 अरब डॉलर रहा, जबकि वियतनाम से भारत का आयात 10.33 अरब डॉलर रहा। वित्त वर्ष 2024-2025 में, वियतनाम भारत का 20वां सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार और वैश्विक स्तर पर 15वां सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य रहा।

क्रेन की टक्कर से बुजुर्ग घायल, वाहन छोड़कर भागा चालक

भोपाल, दोपहर मेट्रो

पिपलानी इलाके में बुधवार की शाम को एक क्रेन चालक ने पैदल जा रहे बुजुर्ग व्यक्ति को टक्कर मारकर घायल कर दिया। आसपास के लोगों ने शोर मचाया तो वह क्रेन छोड़कर मौके से भाग निकला। गंभीर रूप से घायल बुजुर्ग व्यक्ति को इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने आरोपी क्रेन चालक के खिलाफ केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार पवन देशवानी (46) बाल विहार आनंद नगर में रहते हैं और चाय की दुकान चलाते हैं। बुधवार की शाम करीब साढ़े पांच बजे वह घर पर थे, तभी एक व्यक्ति ने आकर बताया कि हथाईखेड़ा डेम के पास दरगाह के आगे एक क्रेन चालक ने उनके पिता मनीराम देशवाली को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे उन्हें गंभीर चोट आई है। सूचना के बाद पवन मौके रप पहुंचे तो उनके पिता घायल अवस्था में पड़े मिले और क्रेन का चालक क्रेन छोड़कर मौके से भाग निकला था। पवन ने अपने पिता को इलाज के लिए कस्तूरबाद अस्पताल पहुंचाया, जहां उनकी हालत गंभीर होने के कारण चूनाभट्टी स्थित निजी अस्पताल के लिए रैफर कर दिया गया। बस की टक्कर से युवक घायल इधर शाहजहांनाबाद इलाके में एक बस चालक ने पैदल जा रहे युवक को टक्कर मारकर घायल कर दिया। जानकारी के अनुसार राहुल लोधी (24) कोतवाली जिला रायसेन का रहने वाला है और एक राईस मील में काम करता है। वह अपने दोस्त से मिलने के लिए पैदल उसके घर मिलेट्री गेट जा रहा था। परी बाजार के पास एक यात्री बस चालक ने उसे पीछे से टक्कर मार दी, जिससे राहुल गंभीर रूप से घायल हो गया।

स्ट्रीट डाग को बाइक ने मारी टक्कर, पशुप्रेमी से बदसलूकी

भोपाल। टीटी नगर पुलिस ने एक पशुप्रेमी महिला की रिपोर्ट पर अज्ञात बाइक चालक के खिलाफ स्ट्रीट डॉग को टक्कर मारने और मोहल्ले वालों पर बदसलूकी करने का मामला दर्ज किया है। हादसे में घायल हुए स्ट्रीट डॉग का अस्पताल में इलाज चल रहा है। जानकारी के अनुसार भदभदा रोड पर रहने वाली पैंतीस वर्षीय महिला पशुप्रेमी है। वह स्ट्रीट डॉग को खाना खिलाती है, जिससे आसपास के डॉग इक्ट्ठे हो जाते हैं। मोहल्ले वालों को इससे परेशानी होती है, जिसको लेकर करीब दस दिन पहले उन्होंने ऐतराज जताया था। इस पर महिला के साथ उनकी बहसबाजी हुई थी।

कलियासोत डेम घूमने जा रहे परिवार पर अज्ञात बदमाशों ने डंडे व हथियार से किया हमला

सड़क पर पानी उछला, विवाद के बाद दो सगे भाई सहित महिला पर हमला

भोपाल दोपहर मेट्रो

जहांगीराबाद के करिश्मा पार्क के पास मंगलवार शाम मारुति कार से दूसरी कार में सवार महिलाओं पर पानी उछलने को लेकर विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर मारुति 800 कार में सवार 4-5 युवकों ने डंडे व धारदार हथियार से परिवार पर हमला कर दिया। हमले में एक महिला और दो सगे भाइयों को गंभीर चोट आई है। धारदार हथियार से चोट लगने के कारण एक भाई को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस के अनुसार औकाफ कॉलोनी, बाग फरहत अफ्जा निवासी आमिर खान (32) इलेक्ट्रीशियन का काम करते हैं। विगत 29 जुलाई की शाम करीब साढ़े चार बजे वह अपने घर से कार में सवार होकर पत्नी तसलीम खान, साली शायना खान व बहन राना खान के साथ कलियासोत डैम घूमने के लिए निकले थे। जैसे ही शाम करीब साढ़े 5 बजे वह करिश्मा पार्क जहांगीराबाद के सामने पहुंचे, पीछे से तेज रफ्तार से आ रही मारुति 800 कार के चालक ने लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए आमिर की कार के साइड से कार निकाली।

कार में चार-पांच युवक थे। कार तेजी से निकालने के कारण सड़क पर जमा पानी कार में बैठे आमिर के परिवार पर उछल गया। आमिर ने उनसे कहा कि कार थोड़ा अच्छे से चलाओ। यह सुनते ही मारुति 800 में सवार युवकों ने आगे जाकर कार रोक ली। आमिर ने भी अपनी कार रोक ली। इस दौरान मारुति 800 कार से उतरे युवक गाली-गलौज करने लगे। तब तक पीछे से आमिर का भाई शाहरुख भी पहुंच गया। उसने भी कार ठीक से चलाने की बात कही। इस पर युवक गुस्से में आ गए और गाली-गलौज करते हुए डंडे व हथियारों से हमला कर दिया। हमले में आमिर के पैर व सिर में चोट आई है जबकि साली शायना भी सिर में डंडे लगने से घायल हुई है। शाहरुख पर किसी लड़के ने धारदार हथियार से हमला किया, जिससे वह लहूलुहान होकर गिर गया। सभी लड़के भागते हुए जान से मारने की धमकी देकर गए हैं। घायल शाहरुख को चरक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मारुति कार के नंबर के आधार पर हमलावरों की तलाश की जा रही है।

युवक को कुचलने वाले कार चालक पर केस दर्ज

भोपाल। कोहेफिज़ा इलाके में सड़क पार करते समय युवक को कुचलने वाले कार चालक के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार अशोक नायक (44) मूलतः ब्यावरा जिला राजगढ़ का रहने वाला था। बीती 19 जुलाई की सुबह करीब सवा नौ बजे वह लालघाटी से एयरपोर्ट जाने वाले मार्ग पर स्पंदन अस्पताल के पास सड़क क्रास कर रहा था, तभी एक लाल रंग की कार ने उसे कुचल दिया था। राहगीर से मिली सूचना के बाद मौके पर पहुंची एम्बुलेंस ने उसे इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल पहुंचाया, जहां उसकी मौत हो गई थी। मर्ग जांच के बाद पुलिस ने टक्कर मारने वाले कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। आरोपी कार और चालक की तलाश की जा रही है।

पेशे से सीनियर अधिवक्ता ने उठाया आत्मघाती कदम

शराब पीकर घर पहुंचने पर पत्नी ने दी समझाइश तो पति ने लगा ली फांसी

भोपाल दोपहर मेट्रो

कटारा हिल्स थाना क्षेत्र स्थित स्काई कॉलोनी में बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात एक व्यक्ति ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उनके पास से सुसाइड नोट तो नहीं मिला है। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि वह शराब के नशे में घर पहुंचे थे। इसी बात को लेकर पत्नी से उनकी कहासुनी हुई। कहासुनी के बाद उन्होंने खुद को कमरे में बंद कर फांसी लगा ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव बरामद कर पीएम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार राजेंद्र मैथिल पिता किशोरीलाल मैथिल (50) मकान नंबर-610, स्काई कॉलोनी कटारा हिल्स में रहते थे। उनके पड़ोसी रमेश मिश्रा ने पुलिस को सूचना दी थी कि उन्होंने फांसी लगा ली है। पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और राजेंद्र का शव फंदे से उतारकर मर्चूरी भेजा। उनकी पत्नी से प्राथमिक पूछताछ में पता चला कि वह शराब पीने के आदी थे। बुधवार रात भी वह शराब के नशे में घर पहुंचे थे। पत्नी ने उन्हें शराब नहीं पीने की समझाइश दी तो उनका पत्नी से विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर वह अपने कमरे में चले गए और कमरा अंदर से बंद कर लिया। काफी देर तक कमरे का दरवाजा नहीं खुला तो उन्हें आवाज दी गई, लेकिन अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। दरवाजा तोड़ा गया तो उनकी लाश फांसी के फंदे पर लटकी मिली।

पानी की सटक से लगाई ?फांसी

उनकी पत्नी ने पुलिस को बताया कि राजेंद्र अधिवक्ता थे। वे सीनियर थे और उनका सरकारी वकील के लिए सिलेक्शन हो गया था। उनकी शराब और बीड़ी पीने की आदत से परिजन परेशान थे। उन्हें नशा छोड़ने की बात कही गई तो वह गुस्से में आ गए और उन्होंने पानी की सटक से फांसी लगा ली।

हथेली पर सुसाइड नोट महिला ने लगाई फांसी

भोपाल दोपहर मेट्रो

निशातपुरा थाना क्षेत्र स्थित दुर्गा नगर पलासी में एक महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या से पूर्व उसने बांए हाथ की हथेली पर लिखा था कि मैं अपने परिवार से बहुत प्रेम करती हूं। अपनी मर्जी से आत्महत्या कर रही हूं किसी को परेशान न किया जाए। इसके अलावा आत्महत्या क्यों कर रही है इसकी वजह नहीं लिखी है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस आत्महत्या के कारण का पता लगा रही है। पुलिस के अनुसार स्वाती राजपूत पति राहुल (27) दुर्गा नगर, पलासी में रहती थी। पति राहुल राजपूत विद्युत विभाग में ठेकेदारी पर काम करता है। राहुल ने पुलिस को बताया कि पत्नी स्वाती के अलावा घर छह साल की बेटी है। उनके साथ उनका साला और साली भी रहते हैं। स्वाती ने बहन भाइयों के साथ खाना खाया और बेटी के साथ कमरे में सो गई थी। जबकि नाइट ड्यूटी होने के कारण राहुल ड्यूटी चला गया।

पुलिस ने लोगों को बुलाकर मोबाइल फोन वापस किये

हबीबगंज पुलिस ने तलाशे 4 लाख के 20 गुम हुए मोबाइल

भोपाल दोपहर मेट्रो

राजधानी की हबीबगंज थाना पुलिस ने पिछले कुछ महीनों के भीतर गुमे हुए 20 मोबाइल तलाश कर उनके मालिकों को वापस लौटाए हैं। गुम मोबाइल मिलने के बाद लोगों के चेहरे खुशी से खिल उठे। तलाशे गए मोबाइलों की कीमत 4 लाख रुपए से ज्यादा बताई गई है।

थाना प्रभारी संजीव कुमार चौकसे ने बताया कि बीते महीनों में कई लोगों ने मोबाइल फोन गुमने की शिकायत दर्ज कराई थी। थाने की सायबर टीम ने सीईआईआर पोर्टल की मदद से गुमे हुए मोबाइलों को टैकिंग पर लगाया था, जिसके बाद 20 मोबाइल फोन बरामद किये गए। हबीबगंज एसीपी उमेश तिवारी की

उपस्थिति में लोगों को उनके मोबाइल फोन वापस किए गए। गुमा हुआ मोबाइल फोन मिलने के बाद लोगों के चेहरे खिल उठे। मोबाइल तलाश में थाना प्रभारी संजीव कुमार चौकसे के साथ ही एसआई अखिलेश त्रिपाठी, हेड कांस्टेबल राघवेंद्र भास्कर, आरक्षक अरविंद यादव, रामनरेश, सुनील कुमार, कंचन सिंह यादव, विश्वप्रताप भदौरिया और पुष्पेंद्र भदौरिया की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

विदिशा से भोपाल खरीदारी करने पहुंचे युवक का पर्स झपटा

भोपाल दोपहर मेट्रो

भोपाल। विदिशा से भोपाल खरीदारी करने आए युवक का दो अज्ञात बदमाशों ने दिनदहाड़े पर्स झपट लिया। घटना शाजहांनाबाद थाने से कुछ दूर बड़ा बाग कब्रिस्तान के मैदान में बावड़ी के पास बुधवार दोपहर की है।

पर्स में चार हजार रुपए नगद व जरूरी दस्तावेज रखे थे। पुलिस ने झपटमारी का प्रकरण दर्ज कर अज्ञात बदमाशों की खोजबीन शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार मूलरूप से विदिशा निवासी बंटी अहिरवार (37) व्यवसाई है। बुधवार सुबह वह कुछ सामान खरीदने भोपाल आए थे। दुकानदार ने उनसे कहा था कि आपका सामान दूसरी जगह से मंगाना पड़ेगा। आप करीब एक घंटे बाद आ जाना।

लिहाजा बंटी अहिरवार बड़ा बाग कब्रिस्तान के मैदान में बावड़ी के पास जाकर बैठ गए। तभी दो अज्ञात लड़के वहां आए और डरा-धमकाकर पर्स छीनकर भाग निकले। हालांकि फरियादी ने कुछ दूर पीछा भी किया लेकिन दोनों बदमाश चकमा देकर भाग निकले।

मैट्रो एंकर — नागरिक, नगर सुरक्षा समिति, पुलिस बल और संस्कृत विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने लिया नशा मुक्ति का संकल्प

15 दिनी नशे से दूरी, है जरूरी अभियान का समापन

भोपाल दोपहर मेट्रो

पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार 15 जुलाई से 30 जुलाई तक चला नशे से दूरी, है जरूरी अभियान का पुलिस कमिश्नर हरिनारायणाचारी मिश्र, एडिशनल पुलिस कमिश्नर अवधेश गोस्वामी, एडिशनल पुलिस कमिश्नर पंकज श्रीवास्तव ने कार्यालय प्रांगण में समापन किया। अभियान भोपाल कमिश्नरेट के समस्त थाना क्षेत्रों में संचालित किया गया, जिसमें समाज के प्रत्येक वर्ग तक नशे के खिलाफ जागरुकता पहुंचाने के उद्देश्य से विभिन्न विभागों, शैक्षणिक संस्थानों, जनप्रतिनिधियों और आम

जन के सहयोग से एकजुट होकर कार्य किया गया। इस अभियान में विशेष ध्यान युवाओं और विद्यार्थियों पर केंद्रित किया गया, क्योंकि यही राष्ट्र का भविष्य हैं। ह पुलिस आयुक्त मिश्र ने हुए कहा कि नशा न केवल आर्थिक नुकसान पहुंचाता है, बल्कि जीवन की दिशा भी भटका देता है, और हमारे देश की प्रगति में भी बाधा बनता है। इसलिए, यह आवश्यक है कि हम सब मिलकर दृढ़ संकल्प लें--न तो स्वयं किसी भी प्रकार के नशे का सेवन करेंगे और न ही अपने आस-पास किसी को ऐसा करने देंगे। समाज तभी सुरक्षित, स्वस्थ और समृद्ध बन सकेगा, जब हम मिलकर इस नशे के जहर को जड़ से समाप्त करने का बीड़ा उठाएंगे।

इन कार्यक्रमों से किया जागरूक

अभियान के दौरान स्कूल, कॉलेजों, कोचिंग, शैक्षणिक संस्थाओं एवं सार्वजनिक स्थानों पर आयोजित चित्रकला, रंगोली, पोस्टर मेकिंग, निबंध एवं स्लोगन लेखन प्रतियोगिताओं आयोजित किए गये, साथ ही थाना प्रभारियों द्वारा आयोजित विविध गतिविधियों में खेल, संवाद, शपथ, नुक्कड़ नाटक, रैली, चित्रांकन, सोशल मीडिया पोस्टिंग आदि ने अभियान को जन-जन तक पहुंचाया। समापन समारोह के अवसर पर संस्कृत विश्वविद्यालय के छात्रों द्वारा मंत्रोच्चार किया तथा झाबुआ से आई कलाकारों की टीम द्वारा नशा मुक्ति पर आधारित नुक्कड़ नाटक का मंचन एवं नृत्य किया गया उपरांत नशा मुक्ति संदेश आधारित गीत गाया।

कार्यालय न्यायालय सक्षम प्राधिकृत अधिकारी एवं अधीक्षक सिंघौरी अभयारण्य बाड़ी

क्रमांक / 1310 — बाड़ी/दिनांक/29/7/2025

नोटिस भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 52 (4) ख के तहत

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि परिक्षेत्र बाडी में अवैध वनोपज सागौन 10 नग, 0.200 घ०मी० अवैध रूप से परिवहन करते हुये मोटरसायकल जप्त होने से वन अपराध प्रकरण क्रमांक 42399/24 दिनांक 14.07.2025 पंजीबद्ध हुआ है। उक्त वन अपराध में मोटरसायकल का उपयोग होने के कारण इस न्यायालय में राजसात की कार्यवाही प्रचलित है।

क्रमांक	वाहन मोटरसायकल का प्रकार	रजिस्ट्रेशन नंबर
1	मोटरसायकल होण्डा साईन	MP-04-QM-1439 Ch.No. - ME43C65ACJT047870

अतः इस समाचार पत्र में विज्ञप्ति के माध्यम से सूचित किया जाता है कि यदि कोई व्यक्ति उक्त वाहन के संबंध में हित रखता है तो वह विज्ञप्ति प्रकाशन की दिनांक से 10 दिवस के अंदर इस न्यायालय में उपस्थित होकर जप्त वाहन के स्वामित्व संबंधी अभिलेख तथा अपने पक्ष समर्थन में प्रमाण प्रस्तुत करें, निर्धारित समयावधि में उपस्थित न होने की स्थिति में एक पक्षीय कार्यवाही की जाकर वाहन राजसात संबंधी आदेश पारित कर दिया जावेगा। बाद में कोई तर्क मान्य नही होगा। सूचना पत्र आज दिनांक 29/07/2025 को मेरी पद एवं मुद्रा से जारी किया गया।

(मयंक राज स.व.सं.) सक्षम प्राधिकृत अधिकारी
अधीक्षक सिंघौरी अभयारण्य बाड़ी

G-16439/25

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया** संपादक **आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022